राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 06 जून 2024 वर्ष–7,अंक–133 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी ने प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

-अब 8 जून को होगा नए प्रधानमंत्री का आगाज?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित होने के साथ ही नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। आज 05 जून बुधवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे पीएम मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और अपना त्याग-पत्र उन्हें सौंप दिया है। इससे पहले ही पीएम मोदी मंत्रिमंडल ने 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश कर चुके थे। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की खबर के साथ ही संभावना जताई गई है कि आगामी 8 जून को तीसरी बार मोदी पीएम पद की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, 7 जून को एनडीए की बैठक होगी जिसमें उन्हें गठबंधन के नेता के तौर पर चुना जाएगा। यहां बतलाते चलें कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में भाजपा ने 240 सीटों पर विजय हासिल की है। इस बार कांग्रेस को 99 सीटें हासिल हुई हैं। किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं होने के कारण गठबंधन साधने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। बावजूद इसके नरेंद्र मोदी के एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने में कोई अवरोध फिलहाल नजर नहीं आता है।

उत्तराखंड में मिली जीत फिर भी भाजपा के मन में रह गई कसक

देहरादून। उत्तराखंड से बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत कर हैट्रिक लगाई। बावजूद इसके उत्तराखंड बीजेपी की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, यह उत्तराखंड के अलग राज्य बनने के बाद यह पांचवां लोकसभा चुनाव है। साल 2014 और 2019 के चुनाव में भी बाजेपी ने जीत का परचम लहराया था, पर अब वोटर्स का मन बदलता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि उत्तराखंड अलग राज्य बनने के बाद पहले चुनाव में साल 2009 में कांग्रेस की झोली में सभी पांच सीट गई थीं। जबकि इसके बाद साल 2014, 2019 और अब भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। कुल मिलाकर 18 लोकसभा चुनावों में यह 11वां मौका था, जब उत्तराखंड में किसी दल ने सभी सीटों पर जीत दर्ज की। ऐतिहासिक प्रदर्शन के बावजूद राज्य में भाजपा के कुल मत प्रतिशत में इस बार गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड की पांचों सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की है। यहां की पौड़ी गढ़वाल सीट से बीजेपी के अनिल बलूनी ने जीत दर्ज की है। जबकि माला राज्य लक्ष्मी टिहरी में जीत के परचम लहराया है। हरिद्वार में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का जलवा बरकरार रहा। वोटर्स का मन बदलने का मतलब यहां साल 2019 के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत में कमी आई है। साल 2019 के चुनाव में उत्तराखंड में कुल 61.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें बीजेपी के हिस्से में 61 प्रतिशत मत आए थे, जबकि कांग्रेस को 31.4 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार राज्य की पांचों सीटों पर कुल मतदान प्रतिशत 57.22 रहा है। जिसमें से भाजपा को 56.81 प्रतिशत मत और कांग्रेस को 32.83 प्रतिशत मत मिले हैं। पिछली बार की अपेक्षा इस बार बीजेपी को 4.19 प्रतिशत कम वोट मिले हैं।

राम की कृपा से मिली जीतः अरुण गोविल

मेरठ। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे अरुण गोविल कड़ी टक्कर के बीच मामूली अंतर से जीत हासिल की। हालांकि चुनाव के शुरुआती दौर में उनकी लोकप्रियता देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें मेरठ से टिकट दिया था, जिसपर वो चुनाव लड़े। मंगलवार को आए चुनावी नतीजे के मुताबिक अरुण गोविल को कुल 5 लाख 46 हजार 469 वोट मिले। वहीं इंडिया गठबंधन (समाजवादी पार्टी) की उम्मीदवार सुनीता वर्मा को 5 लाख 34 हजार 884 वोट मिले। जबकि बसपा उम्मीदवार देववृत कुमार त्यागी को 87 हजार 25 वोट हासिल हुए। अरुण गोविल महज 10 हजार 585 वोट के अंतर से जीत हासिल की।वहीं अपनी जीत से गदगद अरुण गोविल ने कहा, 'भगवान राम ने ये जीत रच रखी थी। होई हैं वही जो राम रचि रखा।' मेरठ सीट से शानदार जीत हासिल करने के बाद अरुण गोविल सबसे पहले बाबा औघड़दानी की दर्शन करने पहुंचे।गोविल ने कहा कि कि मेरठ ही अब उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। गोविल ने कहा कि मेरठ के विकास के लिए तत्पर रहूंगा। उन्होंने मेरठ के भाई बहनों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। अरुण गोविल का पूरा परिवार भी खुशी से फूले नहीं समा रहा है।

797 महिलाओं ने लडा लोकसभा का चुनाव, 75 महिलाएं चुनाव जीती

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में 797 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। इसमें 75 महिलाओं को चुनाव जीतने में सफलता मिली। चुनाव लड़ने वाली 10 फीसदी महिलाएं चुनाव जीतने में सफल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 69 महिलाओं को टिकट दी थी। उसमें से 33 महिलाएं चुनाव जीत गई हैं। कांग्रेस ने 41 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा था। उसमें से 11 महिलाओं ने जीत दर्ज कराई है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने 12 महिलाओं को टिकट दी थी। उसमें से 11 महिलाओं ने जीत दर्ज कराई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 716 महिला प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया था। जिसमें 78 ने चुनाव में जीत दर्ज कराई थी। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में 640 महिला प्रत्याशी थी। जिसमें से 61 महिलाएं चुनाव जीतकर संसद में पहुंची थी। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या क्रमशः बढ़ती जा रही है। 2019 की तुलना में 2024 में तीन महिलाएं कम जीती हैं।

उत्तर प्रदेश ने खोले कांग्रेस की सफलता के द्वार-

अमेठी, रायबरेली समेत 6 सीटों पर लहराया परचम

लखनऊ। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के संग्राम में कांग्रेस की सफलता का द्वार उत्तर प्रदेश ने खोला है। कांग्रेस ने अपने कोटे की 17 में से छह सीटों पर जीत का परचम लहराया। उसकी यह विजय लगभग 35 फीसदी स्ट्राइक रेट दर्शाती है। माना जा रहा है कि कांग्रेस के न्याय पत्र में शामिल घोषणाओं ने असर दिखाया। इसका लाभ उसके सहयोगी दल सपा को भी मिला। कांग्रेस ने चुनाव में रोजगार को बड़ा मुद्दा बनाया था और गरीब महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये देने का वायदा किया था। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जहां यूपी की छह सीटों पर सफलता मिली है, वहीं छह सीटों पर उसे 50 हजार से कम मतों से पराजय का सामना करना पड़ा है। इस तरह 17 में से 12 सीटों पर उसका प्रदर्शन बेहतर रहा।

बांसगांव सुरक्षित लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी सदल प्रसाद को महज 3150 मतों से पराजय का सामना करना पड़ा। कानपुर से कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा को 20968, महराजगंज से प्रत्याशी वीरेन्द्र चौधरी को 35451, देवरिया से अखिलेश प्रताप सिंह को 34842, फतेहपुर सीकरी से रामनाथ सिंह सिकरवार को 43405 तथा अमरोहा से कुंवर दानिश अली को 28670 मतों से पराजय का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के अन्य पांच प्रत्याशियों में मथुरा से प्रत्याशी मुकेश धनगर को 293407, वाराणसी से अजय राय को 152513, झांसी से प्रदीप जैन आदित्य को 102614, गाजियाबाद से डॉली शर्मा को 336965 तथा बुलंदशहर से शिवराम वाल्मिकी 275134 मतों से पराजय का मुंह देखना पड़ा। कांग्रेस को अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, सहारनपुर व इलाहाबाद लोकसभा सीट पर सफलता मिली है। अमेठी में किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को 167196, रायबरेली में राहुल गांधी ने भाजपा प्रत्याशी एवं प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को 390030, बाराबंकी में तनुज पुनिया ने भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत को 215704, सीतापुर में राकेश राठौर ने भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को 89641, सहारनपुर में इमरान मसूद ने भाजपा प्रत्याशी राघव लखन पाल को 64542 तथा इलाहाबाद में कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को 58795 मतों से पराजित किया।

गठबंधन और सीटों के बंटवारे की घोषणा में देरी होने से प्रत्याशियों का चयन भी देर से हो पाने के बाद भी कांग्रेस को यह सफलता मिली। इस चुनाव परिणाम से कांग्रेस को यूपी में संजीवनी मिल गई है। इस बार चुनाव में कांग्रेस नए तेवर व कलेवर के साथ उतरी और अप्रत्याशित प्रदर्शन किया। पिछले दो चुनावों में भारी असफलता से कांग्रेस खेमे में खासी मायूसी थी। पार्टी को 2019 में एक और 2014 में दो सीटें ही मिल पाई थी। वर्ष 2019 में उसके तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को भी अमेठी में हार का सामना करना पड़ा था। केवल रायबरेली में पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अपनी सीट बचाने में सफल हो पाई थीं। इसी तरह 2014 में पार्टी को केवल अमेठी व रायबरेली में सफलता मिल पाई थी।

मालदीव, भूटान सहित कई देशों ने पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद देश दुनिया के तमाम बड़े दिग्गज नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए की जीत पर बधाई दी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी और एनडीए को 2024 के चुनाव में लगातार तीसरी बार सफल होने पर बधाई। उन्होंने कहा कि मैं दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नई चुनावी जीत और अच्छे काम के लिए शुभकामनाएं। निश्चित है कि हम इटली और भारत को एकजुट करने वाली दोस्ती को मजबूत करने और हमारे राष्ट्रों और हमारे लोगों की भलाई से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करना जारी रखेंगे। इसके अलावा पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने कहा कि वो भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के लिए मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को बधाई। वो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। मैं हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को इच्छुक हूं।श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी उन्हें बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि एनडीए की जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति और समृद्धि में भारतीय लोगों के विश्वास को दिखाया है।

मध्य प्रदेश की जीत ने रचा इतिहास- किसका कितना रहा मार्जिन

भोपाल। (एजेंसी)

जब से लोकसभा चुनाव शुरू हुए थे, तभी से प्रदेश के दिग्गज नेताओं ने इस बात क प्रचार कर दिया था कि वे इस बार सभी 29 सीटें जीतेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के हाथ में 28 सीटें थीं। महज एक सीट छिंदवाड़ा पर उसे हार मिली थी। इस बार पार्टी ने वह सीट भी जीत ली।इस लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश बीजेपी ने इतिहास रच दिया। प्रदेश के नेताओं ने 29 की 29 सीटें जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बड़ा तोहफा दिया। इस चुनाव में कई नेताओं ने इतने ज्यादा बड़ी जीत हासिल की है कि यकीन करना मुश्किल है। इनमें इंदौर, विदिशा, गुना, खजुराहो और भोपाल संसदीय सीट की जनता ने तो कमाल ही कर दिया। बीजेपी का कहना है कि इन सीटों को जीतकर वे पीएम नरेंद्र मोदी को 29 हार पहनाएंगे। आपको बता दें, मध्य प्रदेश लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत इंदौर से शंकर लालवानी की हुई। उन्होंने 11 लाख 75000 वोटों से जीत हासिल की। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख 20000 मतों से जीत हासिल की। उसके बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 5 लाख 40 हजार, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने 5 लाख 25 हजार और आलोक शर्मा ने 5 लाख 1500 वोटों से जीत हासिल की।इसी तरह खंडवा से बीजेपी के प्रत्याशी वर्तमान सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने करीब 2 लाख 70 हजार वोटों से चुनाव जीता। चुनाव जीतते ही वे अवधूत संत दादाजी धूनी वाले की समाधि पर आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और संगठन के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि वह भारी मतों से चुनाव जीत गए।

दिल्ली में आप का सूपड़ा साफ, लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ने से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर भाजपा ने अपनी सूपड़ा साफ अभियान को जारी रखते हुए सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया। एक दशक से दिल्ली में प्रचंड बहुमत की सरकार चला रही आम आदमी पार्टी इस बार भी कांग्रेस से गठबंधन के बाद भी अपना खाता खोलने में नाकाम रही। हालांकि, निराशा के बादलों के बीच पार्टी और इसके मुखिया अरविंद केजरीवाल के लिए एक खुशखबरी भी है। 10 साल बाद पार्टी को भाजपा से कम पर कांग्रेस से ज्यादा वोट मिले हैं। मंगलवार को नतीजों की घोषणा के बाद चुनाव आयोग के मुताबिक, वोटशेयर का जो डेटा जारी किया गया, उसमें आप के लिए सबसे ज्यादा खुशखबरी है तो भाजपा के लिए थोड़ी निराशा। वहीं, कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। भाजपा को 54.35 फीसदी वोट हासिल हुए हैं, जबकि 2019 में पार्टी को 56.9 फीसदी वोट मिले थे। सीएम अरिवंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और फिर 21 दिनों की जमानत के बाद हुए चुनाव में पार्टी खाता तो नहीं खोल पाई, लेकिन लोकसभा चुनाव में अपना समर्थन बढ़ाने में कामयाब रही है। पार्टी के वोटशेयर में 6 पर्सेंट का बड़ा इजाफा देखने को मिला है। अंतरिम जमानत के दौरान दिल्ली में अपने आक्रामक प्रचार अभियान से केजरीवाल आप को दूसरे स्थान पर लाने में कामयाब रहे।

नतीजे ऐसे कि भाजपा, सपा, कांग्रेस जैसे कई दल खुश हैं लेकिन बसपा में छाई मायूसी

लखनऊ। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के नतीजों का नतीजा निकालें तो इस बार मतदाताओं ने बसपा छोड़कर किसी को दुखी नहीं किया है। भाजपा इसलिए खुश है, क्योंकि उसकी सरकार तीसरी बार बनती दिख रही है। सपा खुश है क्योंकि उसके सांसदों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई और वह कांग्रेस के बाद सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस भी खुश है क्योंकि वो यूपी में एक सीट से 6 सीटों वाली पार्टी बन गई। लेकिन, सिर्फ एक ही पार्टी के खेमे में मायूसी फैली है और वो बसपा। बहुजन समाज पार्टी के लिए लोकसभा के नतीजे विधानसभा चुनाव 2022 से भी खराब रहे। विधानसभा में तो कम से कम पार्टी को एक सीट मिल गयी थी। लेकिन, लोकसभा के चुनाव में तो उसका खाता खुलना तो छोड़िए एक भी उम्मीद्वार ऐसा नहीं है जो दूसरे नंबर पर भी हो. ऐसी बुरी गत पार्टी ने पहले नहीं देखी थी। हाल ये है कि यूपी की सभी 80 सीटों में से हर जगह बसपा या तो तीसरे नंबर पर रही या चौथे नंबर पर। वोटरों ने पार्टी का वो हाल कर दिया कि बसपा शायद ही किसी सीट पर अपनी जमानत बचा पाई। ये हाल उस पार्टी का है जिसने पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। उसने 10 सीटें जीती थीं लेकिन, पांच साल के बाद उसे एक भी सीट नसीब नहीं हुई। बसपा को 10 फीसदी भी वोट नहीं मिले। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा को 12.88 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन इस बार के लोकसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ 9.38 फीसदी वोट ही मिले। तो आखिर ऐसे क्या कारण

हैं जिसकी वजह से पार्टी की ऐसी दुर्गति गयी। सबसे बड़ी वजह तो यही मानी जा रही है कि गठबंधन के दौर में मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला किया। उनके इस फैसले के बाद से ही कहा जा रहा था कि मायावती हारी हुई बाजी लड़ रही है। विधानसभा चुनाव 2022 के रिजल्ट के बाद ये तो तय हो ही गया था कि बसपा यूपी में भाजपा और सपा से काफी पीछे हो गयी है। ऐसे में इस लोकसभा चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कुव्वत पार्टी में तो थी नहीं। मायावती को लगा होगा कि यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ तो पार्टी को कुछ सीटें मिल जायेंगी।

लोकसभा चुनाव में बिहार से 12 सीट जीतकर नीतीश बने किंगमेकर

-नीतीश कुमार का महत्व दोनों ही खेमों में बढ़ गया

पटना। (एजेंसी)

बिहार में पिछले दो दशक से राजनीति कर रहे सीएम नीतीश कुमार को इस बार लोकसभा चुनाव के परिणाम ने किंगमेकर बना दिया है। चार बार पाला बदल के बाद भी नीतीश कुमार को उनकी इस सियासी चाल से भले ही राजनीतिक पंडित कमजोर और थका समझते हों लेकिन बिहार की जनता ने उनपर भरोसे करके उन्हें 12 सीट जिताकर नीतीश को किंगमेकर की भूमिका में लाकर खड़ा कर दिया है। बीजेपी के अकेले अपने दम पर सरकार बनाने के लिए जरूरी जादुई आंकड़ा 272 से 29 सांसद कम रहने और इंडी गठबंधन के भी 40 सांसद कम होने की वजह से नीतीश कुमार का महत्व दोनों ही खेमों में बढ़ गया है। मतगणना के रुझान को देखते हुए नीतीश अपने घर पर ही राजनीतिक गुना-भाग लगाते रहे। उनकी खामोशी ने सियासी बाजार को गर्म कर दिया है। इस बीच बीजेपी नेता और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी उनके घर मुलाकात करने गए लेकिन उनकी सीएम नीतीश से मुलाकात हुई या नहीं, इस पर दोनों ओर से कोई कुछ नहीं बोल रहा है। बता दें कि बिहार की कुल 40 लोकसभा सीट में से एनडीए ने 30 सीट हासिल की हैं जबकि विपक्षी महागठबंधन की झोली में नौ सीट आईं। आयोग के मुताबिक एक निर्दलीय भी चुनाव में जीत हासिल करने में सफल रहा। बीजेपी और जदयू जहां 12-12 सीट जीतने में सफल रही वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने पांच सीट और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने एक सीट जीती है।

हम इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएंगेः ममता बनर्जी

कोलकाता। (एजेंसी)

टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि हमारी पूरी कोशिश है कि हम केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएं और पीएम मोदी को सत्ता से बाहर कर दें। बनर्जी ने राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा, 'मैं हमेशा बंगाल के लोगों की आभारी रहूंगी। मैं खुश हूं कि मोदी जी को अकेले दम पर बहुमत नहीं मिला है। वह विश्वसनीयता खो चुके हैं। 'इस बार, 400 पार' का नारा देने वाले मोदी जी को अब अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।' ममता ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी सत्ता से बाहर हों और केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन सरकार बनाए। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने लोक सभा चुनाव में विधान सभा चुनाव से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। विपक्षी दलों ने राज्य की तृणमूल सरकार को भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर घेरने की कोशिश की थी, लेकिन मतदाताओं पर इस मुहिम का खास असर नहीं हुआ।उन्होंने राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा, 'मैं हमेशा बंगाल के लोगों की आभारी रहूंगी। मैं खुश हूं कि मोदी जी को अकेले दम बहुमत नहीं मिला है। वह विश्वसनीयता खो चुके हैं। 'इस बार, 400 पार' का नारा देने वाले मोदी जी को अब अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।' ममता ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी सत्ता से बाहर हों और केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन सरकार बनाए। विरोधी दलों के भ्रष्टाचार के प्रचार को धता बताते हुए लोक सभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल पर फिर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। बेहद कड़े मुकाबले में तृणमूल ने राज्य की 29 सीटों पर लंबी बढ़त बना ली और भाजपा को केवल 12 सीटों तक ही समेट दिया। राज्य विधान सभा में विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से विधायक ने कहा कि बंगाल में भाजपा ने उम्मीद से बहुत कम प्रदर्शन किया है, लेकिन राज्य के 39 प्रतिशत लोगों ने उनकी पार्टी में भरोसा जताया है। वोट शेयर के मामले में तृणमूल कांग्रेस को 45.79 और भाजपा को 38.67 प्रतिश वोट मिले हैं। पिछले चुनाव में तृणमूल को 22 सीट मिली थी, जबकि 2014 के चुनाव में पार्टी ने राज्य की 34 सीटें जीती थीं। तृणमूल के लिए

सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर थी कि भाजपा धीरे-धीरे उसके गढ़ पर कब्जा करती जा रही थी, क्योंकि पिछले चुनाव में विपक्षी दल को 18 सीट और लगभग 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन इसके बाद हुए 2021 के विधान सभा चुनाव में बनर्जी ने शानदार जीत दर्ज की और अब लोक सभा चुनाव में सीट बढ़ाकर उन्हें इस बात का संतोष हो सकता है कि वह राज्य में अपनी और पार्टी की हैसियत बरकरार रखने में कामयाब रहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मनोहारी मानसून

भले ही विज्ञान और इंजीनियरिंग की तरक्की से देश-दुनिया ने सिंचाई के तमाम संसाधन जुटा लिए हों, मगर मानसून का इंतजार किसान ही नहीं, हर भारतीय को बेसब्री से रहता है। कृषक के लिये मानसून जहां धान व अन्य फसलों के लिये प्राणधारा का काम करता है, वहीं आम आदमी को गर्मी की तपिश से मुक्त करता है। इस बार जैसे-जैसे पारा आसमान की तरफ चढ़ता रहा, लोगों को मानसून का इंतजार तीव्र होता गया। अब जबकि मानसून ने केरल व पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को भिगो दिया है तो शेष देश भी उत्साहित है कि देर-सवेर मानसून उनके दरवाजे तक भी दस्तक दे जाएगा। वैसे हाल में आये चक्रवाती तूफान की वजह से भी कुछ पश्चिम बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश हुई है और बाढ़ जैसा मंजर भी पैदा हुआ। बहरहाल तपते उत्तर भारत को तो अब मानसूनी फुहारों का बेसब्री से इंतजार है। मानसून के बादल धीर-धीरे मध्य भारत व उत्तर की ओर बढ़ते जाएंगे। यह सुखद है कि हाल के वर्षों में मौसम विभाग की भविष्यवाणियां कमोबेश सच साबित होने लगी हैं। कहा गया था कि इस साल मानसून निर्धारित समय से पहले आ जाएगा, वैसा हुआ भी है। मानसून ने समय से पहले केरल में दस्तक देकर जन-जन को प्रफुल्लित कर दिया है। उम्मीद है कि जून के अंत तक मानसून उत्तर भारत को भिगोने लगेगा। ऐस वक्त में जब पारा नित नये रिकॉर्ड बनाता रहा है और लू से मरने वालों की संख्या बढ़ती रही है, मानसून की सूचना निश्चित रूप से राहतकारी कही जाएगी। यह निर्विवाद सत्य है कि मानसून के पास हमारी तमाम समस्याओं के समाधान हैं। खासकर धान का कटोरा कहे जाने वाले राज्यों के लिये तो यह जीवनदायिनी है। मानसूनी बारिश से जहां खेतों को पर्याप्त पानी से संतुष्टि मिलती है, वहीं बिजली व अन्य ऊर्जाओं की बचत भी होती है। गर्मी बढ़ते ही हमारे बिजली उत्पन्न करने वाली विभिन्न इकाइयों पर दबाव बढ़ जाता है। मानसून के आने से वह दबाव भी धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसमें दो राय नहीं है कि सदियों से मानसून देश में मौसम की विशिष्ट संस्कृति का पोषण करता है। आज भी मानसून हमारी कृषि व्यवस्था की रीढ़ है। मौसम की तल्खी को खत्म करके यह जन-जन को राहत देता है। विश्वास है कि हमारी संस्कृति व अर्थव्यवस्था में मानसून की निर्णायक भूमिका निरंतर जारी रहेगी। अनेक विदेशी लेखकों ने मानसून के प्रभावों का अध्ययन करते हुए रोचक साहित्य का सृजन भी किया है। मानसून का हमारे खान-पान व पहनावे तक पर गहरा प्रभाव पड़ता है। भले ही मानसून भारतीय समाज में सुखद बदलाव का पर्याय रहा हो, लेकिन हाल के वर्षों में मौसम के मिजाज में बदलाव से बारिश के पैटर्न में भी भिन्नता आई है। जिसके मूल में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव भी शामिल हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंता और स्थानीय प्रशासनिक इकाइयां वर्षा जल को सहेजने में नाकाम रही हैं। मानसून के पानी का एक बड़ा हिस्सा यूं ही नदी-नालों के जरिये समुद्र में चला जाता है। यदि इस पानी को सहेजकर हम भू-जल का स्तर बढ़ाने का प्रयास युद्ध स्तर पर करें तो शेष महीनों में जल संकट से हम निजात पा सकते हैं। बढ़ती आबादी और जल निकासी के रास्तों पर निरंतर होते अतिक्रमण ने देश के तमाम शहरों में जलभराव का संकट पैदा किया है। पानी की निकासी के प्राकृतिक मार्गों पर अवैध निर्माणों ने इस संकट को बढ़ाया है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार का कौन जिम्मेदार ?

(लेखक - प्रभुनाथ शुक्ल)

(राजनीतिक विश्लेषण)

देश का आम चुनाव परिवर्तन की राजनीति का संदेश है। इस चुनाव को जनता ने अपने मुद्दों के साथ लड़ा है। वह धर्म की राजनीति करने वाली भाजपा जैसी पार्टी को नया संदेश दिया है। सरकार कोई भी बनाए या सत्ता किसी के हाथ में हो, लेकिन अब आम लोगों के हित की बात होनी चाहिए। जनता ने धर्म और जाति के खिलाफ जनादेश दिया है। देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी बहुमत का आंकड़ा अकेले बल पर नहीं छू पाई। मोदी की करिश्माई राजनीति का जादू अब खत्म होता दिख रहा है। वाराणसी में साल 2014 और 2019 में जीत के अंतराल का जो गणित था वह इस बार कायम नहीं रहा। राहुल गाँधी उनसे अधिक मतों से जीत हासिल किया। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव भले जीत गए , लेकिन यह जीत इतनी बेहतर और शानदार नहीं कहीं जा सकती। नैतिक रूप से इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार अजय राय मोदी के सामने हारकर भी जीते हैं। हिंदुत्व की उग्र राजनीति का उत्तर प्रदेश से सफाया हो गया है। दो लड़कों की जोड़ी ने यहाँ कमाल कर दिखाया है। भाजपा को उत्तर प्रदेश से सबसे बड़ी उम्मीद थी, लेकिन राहुल गाँधी और अखिलेश यादव ने उस उम्मीद को तोड़ दिया है। इस जोड़ी ने जो काम साल 2019 में नहीं कर पायी उसे 2024 में अंजाम तक पहुंचा दिया। मोदी और योगी का जादू नहीं चल पाया है। यहाँ की जनता ने हिंदुत्व की राजनीति को सिरे से नकार दिया है यह अपने आप में यह बड़ा संदेश है। संविधान, आरक्षण और बेरोजगारी की जंग ने धर्म की राजनीति को बड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के युवाओं ने राहुल गाँधी के रोजगार के मुद्दे को दिल से लिया और दो लड़कों की जोड़ी पर भरोसा जताया। सबसे बड़ा संदेश अयोध्या ने दिया है फ़ैजाबाद सीट ने उसे आइना दिखाया है। ओबीसी और दलित और मुस्लिम वोट ने कमाल कर दिखाया है। ओबीसी वोट भाजपा के हाथ से फिसल गया। यह भाजपा के लिए चुनौती है। जिस उत्तर प्रदेश पर भाजपा को बड़ा नाज था उसने मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ वोट किया। अब सवाल उठता है की प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह यूपी की हर चुनावी जन सभाओं में योगी के सुशासन का गुणगान करते नहीं थकते थे। लेकिन खुद योगी अपने राज्य में भजपा को नहीं बचा पाए।फिलहाल इसके लिए कौन जिम्मेदार है मोदी या योगी। सबसे अहम सवाल है कि जनता मोदी और योगी के नाम पर कब तक वोट करेगी। उत्तर प्रदेश में जिन सहयोगियों पर उन्हें अटूट भरोसा था वह भी कुछ नहीं कर पाए। यहाँ अखिलेश यादव का पीडीए फार्मूला काम कर गया। यूपी में दलित वोटर मायावती की निष्क्रिय राजनीति को भाँप गया लिहाजा वह इण्डिया गठबंधन की तरफ चला गया। मुसलमान और यादवों के साथ दूसरी पिछड़ी जातियों ने इण्डिया को वोट किया। भाजपा जिस ओबोसी पर पूरा भरोसा जताती थीं उसी ने जमीन चटा दिया।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सीधी हार के लिए केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री से अधिक जिम्मेदार और जबाबदेह है।क्योंकि जिस तरह मीडिया में संगठन को लेकर जिस तरफ स्थिति बनी वह भी अहम कारण रहा है। टिकट बंटवारे को लेकर भी सवाल उठे। ठाकुरो की नाराजगी वाला मुद्दा भी अहम रहा। आंतरिक तौर पर जिस तरह विपक्ष के नेताओं को चुनाव के दौरान जाँच एजेंसियों का इस्तेमाल किया गया वह भी अहम है। यूपी में योगी और अमितशाह के रिश्ते को लेकर भी पार्टी की आंतरिक लड़ाई में अहम भूमिका निभाई। कई नेताओं के टिकट कटने से भी इसका प्रभाव पड़ा। दूसरी बात यह बात बराबर मीडिया में चर्चा रहीं की मोदी और अमितशाह के आगे किसी की नहीं लगती है। भाजपा कुछ भी कहे लेकिन आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी से बिल्कुल परेशान है। युवाओं ने इस बार इण्डिया को जमकर वोट किया। क्योंकि यूपी आज तक कोई ऐसी परीक्षा नहीं हुईं जिसका पेपर लीक न हुआ हो। यूपी में काफी संख्या में सरकारी पद खाली पड़े हैं। जिसकी वजह से आम आदमी परेशान है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी भाषण में सिर्फ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का उपहास उड़ाते रहे। रोजगार और अग्निवीर योजना के प्रति गुस्सा चुनावों में साफ दिखता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई लोकसभा सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। मुस्लिम आरक्षण को लेकर जिस तरह पीएम कांग्रेस पर हमलावर हुए उससे मुस्लिम वोट सीधे इण्डिया गठबंधन की तरफ मुड़ गया। इसके अलावा माफिया अतीक और अफजल अंसारी की मौत और बुलड़ोजर नीति ने भी बेड़ागर्त किया। तीन तलाक बिल से राहत महसूस करने वाली मुस्लिम महिलाएं भी अबकी बार भाजपा को वोट नहीं किया। मुस्लिम और यादव के साथ अन्य ओबीसी में गजब का ध्रुवीकरण देखा गया यह भजपा के लिए बड़ा सबक है। सिर्फ विपक्ष को जेल भेजकर देश नहीं चल सकता है इसके लिए नीति बदलनी होगी। आईटी सेल की भाषा भी बदलनी होगी। सबका साथ सबका विकास भाषण के साथ जमीन पर उतरना होगा। फिलहाल यूपी में योगी भूमिका अहम है केंद्रीय नेतृत्व उन्हें किनारे कर सफल नहीं हो सकता है। योगी सरकार और कानून व्यवस्था को लेकर खरे उतरे हैं। इस हार के तमाम अन्य कारण भी हैं।

पूर्वांचल में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। भाजपा - राजभर की जोड़ी कुछ नहीं कर पाई। अगर बहुजन समाज पार्टी खुद को सेफ पॉलटिक्स की राजनीति से अलग रहते हुए इंडिया गठबंधन का हिस्सा होती तो उत्तर प्रदेश में भाजपा की जमीन खत्म हो गई होती और बसपा का नया जीवन मिल जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए बड़ा संदेश है। इस जनादेश से साबित हो गया है कि अब राजनीति दूसरी तरफ मुड़ रहीं है। जौनपुर में धनंजय सिंह के साथ जिस तरह का सियासी दाबाव बनाया गया उसका भी बुरा असर दिखा और भाजपा जौनपुर सीट हार गईं।

अगर भारतीय जनता पार्टी एनडीए गठबंधन के साथ सरकार

बनाएगी लेकिन सरकार का भविष्य क्या होगा कहना मुश्किल है। भाजपा अब तक जो खुला खेल-खेल रही थी वह नहीं खेल पाएगी। उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया है। वह खुद बहुमत का आंकड़ा नहीं छू पाई। कहा जाता है उत्तर प्रदेश दिल्ली की राजनीति का रास्ता तय करता है उत्तर प्रदेश में ही भाजपा को आइना दिखा दिया। इसके पीछे खुद भाजपा संगठन की आंतरिक राजनीति रही है।

2024 का जनादेश कांग्रेस के लिए नया संदेश लेकर आई है। राहुल गांधी के विजन को कटघरे में खड़ा करने वाली भाजपा खुद कटघरे में खड़ी है। अब तक जितनी आक्रामकता से साल 2014 और 2019 में बहुमत पाकर सरकार चलती रही है हाल में वैसा कुछ नहीं कर पाएगी। सरकार वह भले बना ले, लेकिन कुछ ख़ास नहीं कर पाएगी। क्योंकि संसद में विपक्ष की अच्छी खासी तादाद होगी। भाजपा तमाम ऐसे बिल लाना चाहेगी लेकिन अब डगर मुश्किल हो गईं है। क्योंकि अब बीजेपी को गठबंधन धर्म भी निभाना पड़ेगा।

भाजपा ने उड़ीसा और आंध्र में भले अच्छा खासा प्रदर्शन किया, लेकिन उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य उसके हाथ से निकल गया। उसका सियासी खेल बिगाड़ दिया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह ममता बनर्जी के खिलाफ हिंदुत्व को लेकर उग्र राजनीति की गई उसका परिणाम सामने है। भाजपा ममता बनर्जी पर जितनी तीखी और हमलावर हुई बंगाल में ममता की जमीन उतनी ही मजबूत हुई।फिलहाल यह चुनाव आम जनता ने लड़ा है अपने अधिकारों को लेकर लड़ा है। उसने बेरोजगारी, महंगाई और आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर मतदान किया। भाजपा मोदी के चेहरे पर ही रह गईं। फिलहाल जिस अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ और जो हिंदी पट्टी हिंदुत्व का गढ़ कही जाती है। भाजपा को विपक्ष ने पटकनी दिया। राहुल गाँधी एक नए अवतार में उभरी है। फिलहाल जनादेश पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए। सरकार एनडीए बनाए या इंडिया उसमें आम आदमी के हितों का पूरी तरह ख्याल रखना चाहिए। बढ़ती महंगाई बेरोजगारी और आम आदमी के अधिकार की बात होनी चाहिए। यह भाजपा और कांग्रेस के लिए बड़ा संदेश है।

(बरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समीक्षक)

जैव विविधता बचाने को प्राकृतिक खेती की राह

रसायनों का ज़हर

अखिलेश आर्यन्दु

जैव विविधता को नष्ट करने में ज़हरीले रसायनों का हाथ प्रमुख है। इसी तरह मिट्टी की गुणवत्ता और वातावरण की सात्विकता का नाश भी कीटनाशकों से हो रहा है। इसलिए भारत में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें कई सहूलियत भी दे रही हैं। लेकिन प्राकृतिक खेती के उत्पाद महंगे होने की वजह से इनकी बिक्री बहुत कम होती है। सरकारों को इस तरफ गौर करना चाहिए। इससे जहां इन रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है, वहीं जानवरों और पक्षियों को बीमारियों से बचाकर जैव विविधता को बचाने में मदद मिल सकती है।

जैविक खेती के उत्पादों को छोड़ दिया जाये तो भी पीने और खाने की हर वस्तु में कीटनाशक मिलाए जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक देश का पर्यावरण कीटनाशकों के इस्तेमाल से ज़हरीला ही नहीं हो गया है बल्कि हमारा पीने वाला पानी और भोजन भी ज़हरीला हो गया है। इससे शारीरिक, मानसिक बीमारियां और अपंगता की समस्याएं भी लगातार बढ़ती रहती हैं। एम्स के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्ययन के अनुसार, घरों में मच्छरों और काकरोचों को मारने के लिए छिड़के जाने वाले कीटनाशकों का 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर असर बहुत गहरे तक पड़ता है।

बिडम्बना यह कि शिक्षित घरों में भी इसके प्रति कोई खास जागरूकता नहीं है। घरों में महंगे चमकीले सेब, केले, आम, बैंगन, भिंडी, लौकी जैसी इस्तेमाल होने वाली सब्जियों में कीटनाशकों का इस्तेमाल, एक नहीं दो-तीन स्तरीय होने लगा है। खेत में जहां इनका उपयोग फसल की वृद्धि के लिए करते हैं, वहीं फसलों के रोगों से बचाव के लिए भी किया जाता है। वहीं चमकदार बनाने के लिए फोलिडज नामक रसायन में इन्हें डुबोया जाता है। इन तीन स्तरों पर कीटनाशकों और रसायनों के इस्तेमाल से जीवन, पर्यावरण, जैव विविधता और कृषि की जमीन पर कितना असर पड़ता होगा?एक आंकड़े के मुताबिक, 2013-14 में देश के करीब 90 लाख हेक्टेयर जमीन में कीटनाशकों को छिड़काव के लिए इस्तेमाल किया, जो उपयोग बढ़कर 2017-18 में 94 लाख से अधिक हेक्टेयर तक में हो गया। इसके अलावा बागवानी और औषधीय खेती में भी कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है जिससे कोई भी फल और जड़ी-बूटी जहरीले रसायनों से सुरक्षित नहीं रह गयी है। ऐसा लगता है जैसे यह मान लिया गया हो कि बगैर जहरीले रसायनों के इस्तेमाल के फसल, विविध उत्पाद और भोजन को खराब होने से बचाया ही नहीं जा सकता है। मसलन, कई राज्यों में टमाटर की अनेक किस्मों की फसलें उगाई जाती हैं। इनमें रश्मि और रूपाली प्रमुख हैं। हेल्योशिस आर्मिजरा नामक कीड़ा इन्हें बहुत नुकसान पहुंचाता है। इस कीड़े की रोकथाम के लिए इसमें रेपलीन, चैलेंजर, रोगर हाल्ट का छिड़काव कई चरणों में किया जाता है। नये वैज्ञानिक शोधों से यह भी पता चला है कि कीटनाशकों के इस्तेमाल से खाद्यान्नों, फलों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण तत्वों पर भी असर पड़ रहा है। इनकी गुणवत्ता में कमी आ रही है। नई-नई बीमारियों का जहां जन्म हो रहा है, वहीं पर इंसान असमय बूढ़ा हो रहा है।

भोजन के अलावा पानी को शुद्ध करने के नाम पर भी रसायनों का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। देश के कई शहरों में पीने के पानी में डीडीटी और बीएसजी की मात्रा पाई जाती है। महाराष्ट्र के बोतलबंद दूध के 70 नमूनों में डीडीटी और एल्ड्रिन की मात्रा 4.8 से 6.3 भाग प्रति दस लाख तक पाई जाती है। दिल्ली के लोगों के शरीर में डीडीटी की मात्रा सबसे अधिक पाई जाती है। इसका कारण यमुना का दूषित पानी और रसायनों से दूषित आहार है।कीटनाशकों के बढ़ते असर का परिणाम यह हुआ है कि जैव विविधता की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगने लगा है। शोध के मुताबिक जिन क्षेत्रों की फसलों में कीटनाशक दवाओं का प्रयोग अधिक किया जाता है, वहां पिछले 50 सालों में कई वनस्पतियां और कीट-पतंगे हमेशा के लिए खत्म हो गए हैं। कई इलाकों का पर्यावरण कीटनाशकों के कारण इतना दूषित हो गया है कि श्वास, त्वचा, दिल और दिमाग संबंधी तमाम बीमारियां आमतौर पर होने लगी हैं। देश के जाने-माने वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और चिकित्सकों के अनुसार कीटनाशकों से शोधित और छिड़काव किये टमाटर, बैंगन और सेब के खाने से किडनी, छाती, स्नायुतंत्र, पाचन अंग और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ने लगा है। सेहत के मामले में बच्चों के शारीरिक, मानसिक विकास में उनको दिया जा रहा कीटाणुयुक्त पानी और भोजन बहुत खतरनाक पाया गया है। चिंता की बात यह है कि विज्ञापनों के मकड़जाल में किसान और उद्योग जगत ही नहीं उन परिवारों के लोग भी हैं जो स्वयं को तो वैज्ञानिक सोच का कहते हैं, लेकिन जब पानी और आहार की शुद्धता की बात आती है तो वह भी समझौता कर लेते हैं।

स्थिति यह हो गई है कि परिवार के परिवार कीटनाशकों के असर के कारण कई गम्भीर बीमारियों के चपेट में हैं। लोगों का तर्क यह है कि यदि सभी खाद्यों और पेयों में कीटनाशक इस्तेमाल किये जा रहे हैं तो वे कहां से जैविक खाद्य लाएं। गौरतलब यह भी कि अधिक महंगे जैविक खाद्य को यदि इस्तेमाल करने की कोशिश की जाए तो गरीब आदमी तो इसके उपयोग करने की बात सोच भी नहीं सकता।

विचार मंथन

संघ और संगठन आमने-सामने? कौन बनेगा प्रधानमंत्री

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी में संसदीय दल का नेता चुनने को लेकर, मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को 240 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। एनडीए गठबंधन को 292 सीटें प्राप्त हुई हैं। जो स्पष्ट बहुमत से 20 सीट ज्यादा है। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय मुख्यालय में 4 जून की शाम को जीत का जश्न मनाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की घोषणा कर दी। इस घोषणा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काफी नाराज हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भाजपा संगठन ने प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई सलाह मशविरा नहीं किया। एक तरफा प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम की घोषणा किए जाने से संघ नाराज है। कहा जा रहा है, 8 जून को तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। 5 जून की शाम भाजपा के सभी सांसदों को दिल्ली बुलाया गया। इसके अलावा सभी सहयोगी दलों से भाजपा संगठन बात कर रहा है। उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का समर्थन पत्र मंगाया जा रहा है। भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने संघ से दूरियां बनाकर रखी हैं। इस कारण जल्द ही कोई बड़ा फेरबदल भाजपा के अंदर होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी और स्वयंसेवक बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं थे। विपक्षी इंडिया गठबंधन से मिल रही चुनौती को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्तर पर सक्रिय हुआ। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना, कि भाजपा अब बहुत बड़ी पार्टी हो गई है, पहले संघ की जरूरत होती थी, अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। इस बयान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने काफी गंभीरता से लिया है। संघ सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पार्टी के अंदर और जनता के बीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लेकर बड़ा असंतोष है। 2024 के जो लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आए हैं वो काफी निराशाजनक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 400 पार का नारा दिया था। 370 सीट जीतने का लक्ष्य भाजपा ने निर्धारित किया था। भाजपा को केवल 240 सीटों पर सफलता हासिल हुई है। स्पष्ट बहुमत तक भी सरकार नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में हुई करारी पराजय के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लग रहा है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भरोसे रहे, तो भाजपा संगठन और आरएसएस के वर्तमान स्वरूप को बनाए रखना बहुत कठिन हो जायेगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने एकाधिकार कायम किया है। सत्ता और संगठन के सभी निर्णय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ही कर रहे थे। जिसके कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कमजोर होता चला गया। भाजपा संगठन के निष्ठावान नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर बैठाने का काम पिछले 10 वर्षों में किया गया है। अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा में प्रवेश देकर उन्हें संगठन और सत्ता में महत्वपूर्ण पद दिए गए। उससे संघ और भाजपा नेताओं की नाराजी काफी बढ़ गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संघ, भाजपा संसदीय दल के नेता के चुनाव में अप्रत्यक्ष रूप से अप्रत्याशित हस्तक्षेप कर सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो नरेंद्र मोदी के लिए तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना मुश्किल हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिश है और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सहमत हैं कि 8 जून को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लें। इसकी पूरी कोशिश की जा रही है। वहीं भाजपा संगठन और संघ नहीं चाहता है, तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लें। संघ और भाजपा संगठन के बीच की तल्खी, नरेंद्र मोदी के लिए कहीं मुसीबत ना बन जाए। नागपुर संघ मुख्यालय, तथा दिल्ली के झंडेवालान संघ मुख्यालय में संघ के पदाधिकारियों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इंडिया गठबंधन भी सरकार बनाने का दावा पेश करने की तैयारी में लगा है। पर्दे के पीछे राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इंडिया गठबंधन की ओर से शरद पवार ने मोर्चा संभाल लिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन सभी चाहते हैं, इंडिया गठबंधन की सरकार बने। इसके लिए उन्होंने भी अपने स्तर पर राजनीतिक दलों और निर्दलीय सांसदों से संपर्क किया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू के साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं का संपर्क बना हुआ है। अगले एक-दो दिन में सरकार बनाने को लेकर कोई बहुत बड़ा फेरबदल हो सकता है। इस कारण राजधानी दिल्ली की राजनीतिक हलचलें बहुत बढ़ गई हैं। जिस तरह से आश्चर्यजनक चुनाव परिणाम आए हैं, उसी तरह से आश्चर्यजनक रूप से केंद्र में सरकार गठन की बात कही जा रही है। इंडिया गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दल प्रधानमंत्री के पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप प्रधानमंत्री बनाने पर सहमति जता चुके हैं। जल्द ही कोई बड़ा राजनीतिक घटना चक्र देखने को मिल सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। कीमतों में ये बदलाव लोकसभा चुनाव परिणाम के दूसरे दिन ही आया है। सरकारी तेल कंपनियां दर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को तय करती हैं क्योंकि ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों पर निर्भर करती हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में आये बदलाव से देश में भी तेल की कीमतों में बदलाव आया है। देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है पर चेन्नई में तेल की कीमतों में 23 पैसे की हल्की बढ़ोतरी आई है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है. कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है. वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर। गुरुग्रामः पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबादः पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुरः पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

पोर्च की दोनों कारों की बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में पोर्च कंपनी ने 911 कारेरा और कारेरा 4 जीटीएस लॉन्च कर दी गई हैं। इन दोनों मॉडल की बुकिंग शुरू कर दी गई है। इनकी डिलीवरी 2024 के आखिर तक मिलना शुरू होगी। ग्राहक इन्हें ऑनलाइन या अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। पोर्च 911 कारेरा में 3 लीटर ट्विन-टर्बो बॉक्सर इंजन दिया गया है। यह एक हाइब्रिड कार है, जिसमें फोर-वे एडजस्टेबल स्पोर्ट सीट, मैट्रिक्स एलईडी हेडलैंप, रिवर्स कैमरा, क्रूज कंट्रोल, टू-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह गाड़ी 3.9 सेकेंड में 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 294 किमी प्रति घंटा है। पोर्चे 911 कारेरा 4 जीटीएस में 3.6 लीटर 6 सिलेंडर टर्बोचार्ज बॉक्सर इंजन दिया गया है। इसमें 12.6 इंच का कर्व्ड डिस्प्ले, 10.9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग, अडास जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। यह गाड़ी 3 सेकेंड में ये कार 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 312 किमी प्रति घंटा है। बता दें कि इन लग्जरी कारों की कीमतें क्रमशः 1.99 करोड़ रुपये और 2.75 करोड़ रुपये एक्स-शोरूम है।

मर्सिडीज-बेंज ने लांच किया सी 300 एएमजी लाइन एडिशन

नई दिल्ली। महंगी गाडियां बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने सी 300 एएमजी लाइन को लॉन्च किया है। इस लग्जरी कार की कीमत 69 लाख रुपए है। यह नया पेट्रोल एडिशन मर्सिडीज सेडान के नए रेंज-टॉपिंग संस्करण सी 300 डी डीजल को रिप्लेस करेगा, जो अभी सेल पर नही है। नए संस्करण को छोड़कर, सी-क्लास और जीएलसी एसयूवी को सभी वेरिएंट में अतिरिक्त किट का लाभ मिलता है, जिनकी कीमतें क्रमशः 61.85 लाख रुपये और 75.90 लाख रुपये से शुरू होती हैं। सी 300 में पेट्रोल 2.0-लीटर चार-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया है। इसे 48वी माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। पेट्रोल मिल हल्के हाइब्रिड सिस्टम के साथ 255 बीएचपी और 400 एनएम का टॉर्क विकसित करता है, जो कुछ ड्राइविंग परिदृश्यों में 23 बीएचपी और 205 एनएम तक अतिरिक्त बढ़ावा देता है। सी 300 में बर्मेस्टर 3डी साउंड सिस्टम, मर्सिडीज की डिजिटल लाइट्स हेडलैंप तकनीक, नेविगेशन सिस्टम के लिए एक संवर्धित वास्तविकता डिस्प्ले, एक बिना चाबी वाले गो पैकेज जैसी सुविधाएं दी हैं। इंजन 30 सेकंड के लिए 27 बीएचपी की पावर बढ़ाने वाला एक ओवरबूस्ट फ़ंक्शन भी प्रदान करता है। इससे 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 6 सेकंड में मिलेगी। इसमें कुछ नए फीचर्स भी दिए हैं।

स्पेक्ट्रम की नीलामी अब 25 जून को

नई दिल्ली।

टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने स्पेक्ट्रम नीलामी की समय सीमा 19 दिन बढ़ा दी है यह नीलामी अब 25 जून होगी। विभाग की वेबसाइट पर यह जानकारी मिली है। नीलामी के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस में किए गए संशोधन के मुताबिक कि लाइव नीलामी की शुरुआत की नई तारीख 6 जून से बदलकर 25 जून कर दी गई है। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए करीब 96,317 करोड़ रुपए के आधार मूल्य पर 8 स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। नीलामी में 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज, 2500 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज बैंड में उपलब्ध सभी स्पेक्ट्रम उपलब्ध हैं। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3000 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा बयाना राशि जमा की है। इससे कंपनी मैक्सिमम रेडियो फ्रीक्वेंसी के लिए बोली लगा सकेगी। बोलीदाता के लिए पूर्व-पात्रता विवरण के मुताबिक भारती एयरटेल ने 1050 करोड़ रुपए और वोडाफोन आइडिया ने 300 करोड़ रुपए की बयाना राशि जमा कर दी है।

कंपनियों को जमा की गई बयाना राशि के आधार पर पॉइंट मिलते हैं। इसके आधार पर वे अपनी इच्छा अनुसार सर्किल की संख्या और स्पेक्ट्रम की मात्रा के लिए बोली लगा सकते हैं। हाई पॉइंट्स का मतलब बोली लगाने की उच्च क्षमता है। स्पेक्ट्रम 20 साल की अवधि के लिए दिया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को 20 समान सालाना किस्तों में भुगतान करने की

सुविधा होगी। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने आगामी नीलामी के माध्यम से प्राप्त स्पेक्ट्रम को न्यूनतम 10 साल की अवधि के बाद वापस करने का विकल्प है। अब 25 जून को देश में एक्टिव टेलीकॉम सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनियां भारती एयरटेल, रिलायंस जियो इंफोकॉम, वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों को अगले 20 सालों के लिए 8 तरह के स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाने का मौका मिलेगा।

20 जून को भारतीय बाजार में लांच होगा रियलमी का ये स्मार्टफोन

मुंबई । रियलमी ने कंफर्म कर दिया है कि उसका नया फोन रियलमी जीटी 6, 20 जून को पेश किया जाएगा। रियलमी जीटी 6 भारत में 20 जून को दोपहर 1:30 बजे लांच होगा। देखने में काफी हद तक ये रियलमी जीटी नियो 6 की तरह लगता है। पीछे के पैनल पर एलईडी के साथ डुअल रियर कैमरा सिस्टम के साथ एक चमकदार फिनिश दिखाई देती है। रियलमी ने फोन की कीमत को लेकर कोई खुलासा नहीं किया। फीचर्स के तौर पर रियलमी जीटी 6 में 6.78-इंच फुल एचडी+ एलटीपीओ एमलोयड डिस्प्ले 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 6,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस हो सकती है। फोन को स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट से लैस किया जा सकता है, जिसे ग्राफिक्स के कामों के लिए एड्रेनो 735 ग्राफिक्स प्रोसेसर के साथ जोड़ा जा सकता है। रियलमी जीटी 6 में डुअल कैमरा सेटअप के साथ पेश किया जा सकता है। फोन को ओआईएस के साथ 50 मेगापिक्सल का सोनीआईएमएक्स 882 प्राइमरी सेंसर और 8 मेगापिक्सल का सोनीआईएमएक्स 355 अल्ट्रा वाइड-एंगल लेंस मौजूद है।

यात्रियों के लिए एयर इंडिया ने शुरू की फेयर लॉक सुविधा

-अचानक किराए में आए बदलाव से नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली।

एयर इंडिया ने एक नई सर्विस की शुरुआत की है। इसमें यात्रियों को अब किराए में होने वाले बदलाव से किसी तरह की कोई समस्या नहीं होगी। इस सुविधा का नाम फेयर लॉक है। इस सुविधा से यात्रियों को यात्रा की प्लानिंग करने में ज्यादा सुविधा होगी। दरअसल भारत की प्रमुख एयरलाइन, एयर इंडिया ने अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर टिकट बुकिंग के लिए एक नया फीचर 'फेयर लॉक' शामिल किया है। इससे यात्री फ्लाइट का किराया कम शुल्क में 48 घंटे के लिए रोक सकते हैं, जिससे वह आराम से अपने यात्रा की प्लानिंग को अंतिम रूप दे सकते हैं। इस सुविधा से यात्रियों को अपनी पसंदीदा फ्लाइट के किराए में अचानक होने वाले बदलाव या सीटों की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन ध्यान रखें कि यह सुविधा फ्लाइट की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले वाली फ्लाइट्स के लिए ही उपलब्ध है। फेयर लॉक का इस्तेमाल करने के लिए एयर इंडिया के यात्रियों को अपनी मन पसंद फ्लाइट का चयन करना होगा। इसके बाद बुकिंग प्रक्रिया के दौरान फेयर लॉक विकल्प को चुनना होगा। अब एक बार गैर-वापसी शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके बाद में, वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर 'बुकिंग बंद करें' विकल्प का चयन करके चुने हुए किराए पर अपनी बुकिंग की पुष्टि कर सकते हैं। इसका फायदा उठाने के लिए आपको कुछ पेमेंट करना होगा। यह फेयर लॉक शुल्क अलग-अलग रूट के हिसाब से तय है और प्रत्येक यात्री के टिकट पर लागू होता है। हालांकि यह शुल्क गैर-वापसी योग्य है। फेयर लॉक एयर इंडिया की बढ़ती हुई सेवाओं में एक नया इजाफा है, जिसका लक्ष्य यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव देना है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स 2303 अंक, निफ्टी 735 ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को रौनक लौट आयी और ये भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद बाजार में भारी गिरावट आई थी जिससे आज ये संभलता दिख रहा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 3.20 फीसदी करीब 2303.19 अंकों की बढ़त के साथ ही 74,382.24 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 3.36 फीसदी बढ़कर 735.85 अंकों की बढ़त बनाते हुए 22,620.35 पर बंद हुआ। आज शेयर बाजार में रिकवरी भाजपा गठंधन की नई सरकार बनने की उम्मीद से आई है। इस कारण नीतियों में बदलाव कम होने की संभाना है जिससे बाजार में सकारात्मक संकेत गया। आज कारोबार के दौरान आज सभी कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। 7.75 फीसदी की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ऊपर रहे। इसके अलावा टाटा स्टील , महिंद्रा एंड महिंद्रा एमएंडएम, बजाज फाइनेंस , कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलिवर के शेयर सबसे अधिक बढ़े। ये सभी शेयर 4 फीसदी से ज्यादा ऊपर आये। वहीं निफ्टी की बात करें तो इसमें 7.29 फीसदी की बढ़त के साथ अदाणी पोर्ट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। इसके अलावा, इंडसइंड बैंक 7.06 फीसदी, हिंडाल्को 6.46फीसदी, टाटा स्टील 6.32फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा 6.06 फीसदी के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे। नुकसान वाले शेयरों में पहला-लॉर्सन एंड टुब्रो, जो 0.10 फीसदी जबकि बीपीसीएल 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को एक बार फिर रौनक लौट आयी। मंगलवार को चुनावों परिणामों के बाद बाजार में भारी गिरावट आई थी पर इसके बाद सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। सुबह कारोबार के समय बाजार के प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। सेंसेक्स 523 अंक करीब 0.73 फीसदी बढ़कर 72,601.74 के स्तर पर जबकि निफ्टी

50 177 अंक तकरीबन 0.70 फीसदी बढ़कर 22,061 के स्तर पर खुला।

एशियाई बाजारों में आज सुबह मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी 0.73 फीसदी बढ़ा जबकि निक्केई 1.06 फीसदी नीचे आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.29 फीसदी अधिक पर कारोबार करता दिखा। पिछले कारोबारी दिन, अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। डॉव जोन्स 0.36 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.15 फीसदी और नैस्डैक 0.17 फीसदी उछला।

टायर बनाने वाली कंपनियों में भारत की बालकृष्ण और एमआरएफटॉप 10 में

नई दिल्ली।

बाइक और कारों के टायर बनाने वाली चेन्नई की एमआरएफ कंपनी का शेयर भारत का सबसे महंगा स्टॉक है। अभी कंपनी के एक शेयर की कीमत करीब एक लाख 25 हजार रुपए है। लेकिन यह टायर बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी नहीं है। देश की सबसे बडी टायर कंपनी का खिताब बालकृष्ण इंडस्ट्रीज के नाम है।

यह ऑफ-हाइवे टायर बनाती है। यानी यह एग्रीकल्चर टायर (ट्रैक्टर्स), इंडस्ट्रियल टायर (क्रेन, ग्रेडर) और ओटीआर टायर बनाती है। दुनिया की टॉप 13 कंपनियों में भारत की सबसे ज्यादा चार कंपनियां शामिल हैं। इनमें बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, मद्रास रबर फैक्ट्री, अपोलो टायर्स और सिएट हैं।

इस सूची में चीन की कोई भी कंपनी शामिल नहीं है। अमेरिका और जापान की दो-दो कंपनियों को इस सूची में जगह मिली है।

दुनिया में टायर बनाने वाली कंपनियों की सूची में टॉप पर जापान की कंपनी ब्रिजस्टोन है। फ्रांस की कंपनी मिशेलिन इस सूची में दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर जर्मन कंपनी कोंटिनेंटल है। भारत की कंपनी बालकृष्ण इंडस्ट्रीज चौथे और एमआरएफ 5वें नंबर पर है। इटली की कंपनी पिरेली 6वें नंबर पर है। अमेरिकी कंपनी गुडईयर 7वें, दक्षिण कोरिया की हैनकुक टायर 8वें, भारत की अपोलो टायर 9वें, जापान की टोयो टायर 10वें, फिनलैंड की नोकियन टायर्स 11वें, भारत की सिएट 12वें और टाइटन इंटरनेशनल 13वें नंबर पर हैं।

ऑटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के चेयरमैन अंशुमन सिंघानिया ने हाल में कहा था कि भारत की टायर इंडस्ट्री साल 2030 तक पांच 5 अरब डॉलर से ज्यादा एक्सपोर्ट का लक्ष्य तय किया है। पिछले चार साल में देश से टायर के एक्सपोर्ट में काफी तेजी आई है। भारत से 170 से ज्यादा देशों को टायर का एक्सपोर्ट किया जाता है। यूरोप, अमेरिका, ब्राजील, यूएई और यूके जैसे ग्लोबल मार्केट्स ने भारतीय टायरों का लोहा माना है। कॉमर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2023 में भारत से 23,125 करोड़ के टायर एक्सपोर्ट किए गए थे। भारत के टायर एक्सपोर्ट में अमेरिका की 25 फीसदी हिस्सेदारी है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी कीमतें बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के दूसरे दिन वायदा कारोबार में बढ़त रही। सुबह सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 89,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 80 रुपये बढ़कर 72,077 रुपये के भाव पर खुला। यहा 72,080 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,037 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल कर लिया था। इसे अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 239 रुपये की तेजी के साथ 89,898 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 141 रुपये की तेजी के साथ 89,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,899 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 89,757 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही।

चुनाव परिणामों के बाद नई सरकार से रियल एस्टेट क्षेत्र में नीतिगत सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली।

जमीनों के विकास से जुड़ी कंपनियों के संगठन नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) ने कहा कि नई सरकार के रियल एस्टेट क्षेत्र में बढ़ोतरी को लेकर नीतिगत सुधार करने के साथ आवास मांग को बढ़ाने के लिए मकान खरीदने वालों के साथ ही डेवलपर को कर प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए। नारेडको ने परियोजनाओं के विकास के लिए अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाने की भी मांग की। चुनाव परिणामों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जिसमें बढ़ोतरी की काफी संभावनाएं हैं साथ ही कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। 2030 तक 1000 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार आकार तक पहुंचने और 2047 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उद्योग बनने के लिए हमें सरकार से समर्थन की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई आवास ऋण मासिक किस्त से निपटने के प्रमुख नीतिगत सुधारों को लागू करना और स्थिरता प्रोत्साहन शुरू करना जरुरी है। हरि बाबू ने कहा कि इसके अतिरिक्त वित्तीय सीमाओं को समायोजित करके और बिल्डर के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके किफायती आवास को अधिक सुलभ बनाना विकास के लिए बहुत जरुरी है। रियल एस्टेट क्षेत्र खासकर किफायती आवासीय क्षेत्र में वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट नीतिगत सुधार जरुरी है। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि आने वाली नई सरकार रियल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता को समर्थन देने के लिए नीतिगत सुधार और प्रोत्साहन लागू करेगी। उन्होंने कहा कि विनियामक बाधाओं को कम करने और अनुमोदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से इस क्षेत्र के वृद्धि को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र के साथ-साथ बुनियादी ढांचा क्षेत्र 'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत की सर्विस सेक्टर की ग्रोथ घटकर निचले स्तर पर आई

नई दिल्ली।

भीषण गर्मी, कड़ी प्रतिस्पर्धा, मूल्य दबाव के चलते मई माह में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर निचले स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ठेकों में एक दशक में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई माह में गिरकर 60.2 पर आ गया जो पिछले साल दिसंबर के बाद से सबसे निचला स्तर है। अप्रैल में यह 60.8 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। मई माह के आंकड़ों से पता चलता है कि नए व्यवसाय में मजबूत वृद्धि ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में उत्पादन वृद्धि को बल देना जारी रखा है।

सर्वेक्षण के मुताबिक एक और सकारात्मक बात यह है कि कारोबारी विश्वास में 8 महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ोरती हुई। बिक्री में बढ़ोतरी, उत्पादकता में तेजी और मांग में मजबूती से वृद्धि को समर्थन मिला है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबावों के कारण वृद्धि में कुछ बाधा भी आई। एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा कि मई में भारत की सेवा गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, घरेलू नए ठेकों में थोड़ी कमी आई लेकिन वे मजबूत बने रहे। यह मजबूत मांग को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मई में कच्चे माल और श्रम की लागत में बढ़ोरती के चलते लागत दबाव बढ़ गया। कंपनियां मूल्य वृद्धि का एक हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाने में सक्षम रहीं। मई में जिस क्षेत्र में पर्याप्त सुधार हुआ, वह नए निर्यात ठेके थे, जिसमें बढ़ोतरी सितंबर 2014 में श्रृंखला की शुरुआत के बाद से सबसे तेज रही। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया, अफ्रीका, और अमेरिका से मांग में मजबूत वृद्धि देखी। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स मई में गिरकर 60.5 हो गया जो अप्रैल में 61.5 था।

महाराष्ट्र में अंबानी ने लीज पर ली जमीन, बनाएंगे ग्लोबल इकोनॉमिक हब

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने कहा कि उसकी स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ने महाराष्ट्र में एक ग्लोबल इकोनॉमिक हब बनाने के लिए 3,750 एकड़ भूमि की सब-लीज डीड का पंजीकरण कराया है। बीएसई को भेजी सूचना में बताया गया है कि आरआईएल की स्वामित्व वाली कंपनियों ने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड से 13,400 करोड़ रुपए में 43 साल के लिए विकास अधिकारों के साथ करीब 3,750 एकड़ भूमि के सब-लीज डीड से जुड़ी सभी कार्यवाही पूरी कर ली हैं। नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड में (शहर एवं औद्योगिक विकास निगम) सिडको की 26फीसदी हिस्सेदारी है। सिडको नवी मुंबई के लिए सरकार की नगर नियोजन एजेंसी है। कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र औद्योगिक नीति, 2013 के अनुसार सब लीज पर दी गई इस भूमि का इस्तेमाल एकीकृत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए किया जाएगा। फरवरी 2018 में ग्लोबल इकोनॉमिक हब तैयार करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता किया गया था।

2018 में आयोजित मैग्नेटिक महाराष्ट्र कार्यक्रम में अंबानी ने कहा था, आरआईएल महाराष्ट्र में चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए भारत का पहला औद्योगिक क्षेत्र बनाएगा और इस पर अगले 10 साल में वैश्विक कंपनियों की भागीदारी से 60,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया जाएगा। 2019 में आरआईएल ने अपनी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिये करीब 4,000 एकड़ की सब लीज भूमि के लिए नवी मुंबई एसईजेड (एनएमएसईजेड) के साथ समझौता किया था। एक विज्ञप्ति में आरआईएल ने कहा कि हजीरा, जामनगर और दहेज में बड़े एकीकृत औद्योगिक परिसर तैयार करने, हरियाणा के झज्जर जिले में एकीकृत स्मार्ट सिटी और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स में एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर और आधुनिक ऑफिस बनाने का उसका रिकॉर्ड रहा है।

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद अडानी ही नहीं अंबानी को भी लगा झटका

नई दिल्ली।

शेयर बाजार के अनुमान के मुताबिक लोकसभा चुनाव के परिणाम नहीं आने से मंगलवार को शेयर बाजार औंधे मुंह गिर गया। चार साल में सेंसेक्स में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। इससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। अडानी ग्रुप के शेयरों में 21 फीसदी तक गिरावट आई। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 24.9 अरब डॉलर यानी करीब 20,79,72,89,25,000 रुपए की गिरावट आई। बिलामबर्ग बिल्योनर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ अब 97.5 अरब डॉलर रह गई है। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फिसल कर 15वें नंबर पर आ गए हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 13.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

वह एशिया के अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। सोमवार को अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 19.4 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया था जो मंगलवार को 15.8 लाख करोड़ रह गया। एक दिन में इसमें 3.6 लाख करोड़ की गिरावट आई। अडानी ग्रुप के शेयरों में सबसे ज्यादा 21.26फीसदी गिरावट अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन में रही। अडानी हाल में मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे बड़े अमीर बन गए थे लेकिन उनकी बादशाहत ज्यादा दिन तक नहीं चल पाई। अंबानी की नेटवर्थ में भी मंगलवार को 8.99 अरब डॉलर यानी 7,50,78,59,15,500 रुपए की गिरावट नजर आई। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मंगलवार को 7.53त्न गिरावट रही। दुनिया के अमीरों की सूची में फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। ऐमजॉनी के फाउंडर जेफ बेजोस 202 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे और एलन मस्क 201 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर हैं। मार्क जकरबर्ग 170 अरब डॉलर के साथ चौथे, लैरी पेज (155 अरब डॉलर) पांचवें, बिल गेट्स (152 अरब डॉलर) छठे, सर्गेई ब्रिन (145 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बाल्मर (144 अरब डॉलर) आठवें, वॉरेन बफे (135 अरब डॉलर) नौवें और लैरी एलिसन (135 अरब डॉलर) के साथ 10वें नंबर पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नीदरलैंड ने नेपाल को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में हराया

न्यूयार्क (एजेंसी)। डलास (ईएमएस)। टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की शानदार गेंदबाजी और मैक्स ओ'डाउड के अर्धशतक की सहायता से ही नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने पहले ही मुकाबले में नेपाल को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में नेपाल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में ही 106 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को नीदरलैंड की टीम ने 19.4 ओवर में ही चार विकेट खोकर 109 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में ओ'डाउड ने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। वहीं नेपाल की ओर से सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी और अविनाश बोहरा ने एक-एक विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो-दो विकेट मिले।

इस मैच में नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर नेपाल को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और नेपाल की पारी को ध्वस्त कर दिया। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। उन्होंने 37 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए जबकि निचले क्रम में करण केसी ने 17 और गुलशन झा ने 14 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। माइकल लेविट एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। वह सोमपाल का शिकार बने। ओ'डाउड और विक्रमजीत सिंह 22 ने इसके बाद बल्लेबाजी की कमान संभाली।

ओ'डाउड को इसके बाद साइब्रैंड एंगलब्रेक्त 14 का अच्छा साथ मिला। ओ'डाउड ने 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद डलीडे ने इसी ओवर में चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी।

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन से हटे, इस वजह से लिया फैसला

पेरिस (एजेंसी)। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी और गत फ्रेंच ओपन चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने घुटने की चोट के कारण मंगलवार को क्वार्टरफाइनल से पहले टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया।

साइबेरिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे रोलैंड गैरोस से हटना पड़ रहा है, मैंने कल के मैच में पूरे दिल से खेला और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और दुर्भाग्य से, मेरे दाहिने घुटने में एक मेनिस्कस टियर के कारण मेरी टीम और मैंने सावधानीपूर्वक विचार किया, जिसके बाद एक कठिन निर्णय लेना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'मैं इस सप्ताह फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और अपने प्रशंसकों को उनके प्यार और निरंतर समर्थन के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं।' उल्लेखनीय है कि नोवाक जोकोविच को सोमवार को हुए मुकाबले में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के साथ हुए मैच के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी।

अश्विन की आत्मकथा का विमोचन 10 जून को, क्रिकेट स्टार बनने से पहले के जीवन की भी मिलेगी जानकारी

न्यूयार्क (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के अनुसार अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की आत्मकथा का विमोचन इसी माह 10 जून को होगा। सिद्धार्थ मोंगा के साथ इस अनुभवी क्रिकेटर द्वारा लिखी गई 'आई हैव द स्ट्रीट्स- ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी क्रिकेट स्टार बनने से पहले अश्विन के जीवन का एक सूक्ष्म और स्पष्ट चित्रण पेश करेगी।

अश्विन ने अपने एक बयान में कहा कि एक क्रिकेटर बनने की अपनी कहानी साझा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस पुस्तक के जरिये मुझे उम्मीद है कि कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटर प्रेरित होंगे। इस पुस्तक में उनकी बचपन की स्वास्थ्य समस्याओं, उनके मध्यमवर्गीय परिवार के जबरदस्त समर्थन और चेन्नई में क्रिकेट के माहौल के बारे में बताया गया है।

अश्विन 300 टेस्ट विकेट तक सबसे जल्दी पहुंचे हैं। इस 37 वर्षीय क्रिकेटर के नाम 2 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब और एक चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफी भी है।

अश्विन को भारत के अब तक के सबसे शानदार ऑफ स्पिनरों में से एक माना जाता है। वह गेंद में कई विविधताएं पैदा करता है और गेंद को फ्लाइट कराता है, जिससे उसे स्पिन करने और बल्लेबाज पर डिप करने का अधिक मौका मिलता है। अपने सामान्य ऑफ-ब्रेक के अलावा, वह आर्म बॉल और कैरम बॉल भी फेंकते हैं, जो उन्हें विकेट दिलाता है। आईपीएल में वह अपनी लेग-ब्रेक और गुगली के लिए भी जाने गए।

ब्रेथवेट की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी वेस्टइंडीज

-15 सदस्यीय टीम में होल्डर की वापसी , युवा खिलाड़ी मिकाइल को मिला अवसर

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। क्रेग ब्रेथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली रिचर्ड्स-बॉथम टेस्ट सीरीज में उतरेगी। वहीं तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ टीम के उप-कप्तान होंगे। वेस्टइंडीज बोर्ड ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में ऑलराउंडर जैसन होल्डर को भी शामिल किया गया है। टीम से कई खिलाड़ियों को बाहर करते हुए कुछ युवा खिलाड़ियों को इसमें जगह दी गयी है। इसी के तहत ही 23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज मिकाइल लुइस को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। लुइस ने लीवार्ड आइलैंड्स हरिकेंस के लिए अपने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में 48.71 की औसत से 682 रन बनाए थे। अगर लुइस इंग्लैंड में वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू करते हैं, तो वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले सेंट किट्स के पहले खिलाड़ी होंगे।

वहीं चोट के बाद वापसी कर रहे होल्डर के होने से टीम को बल्लेबाजी के साथ ही एक बेहतर गेंदबाज भी मिलता है। इसके अलावा रोच, सील्स और शमर जोसेफ भी इस टेस्ट टीम में शामिल हैं। इसके अलावा उभरते हुए तेज गेंदबाज ईसाई थोर्न भी टीम के साथ सीखने के लिए रहेंगे। थोर्न ने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने अपने पहले आठ मैचों में 16.29 की औसत से 31 विकेट लिए थे। टीम टोनब्रिज स्कूल में प्रशिक्षण शिविर के लिए 23 जून को इंग्लैंड पहुंचेगी। उसके बाद 4 जुलाई से बकिंघम में 4 दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा।

मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, भविष्य को देखते हुए टीम को अनुभव और उभरती हुई प्रतिभाओं के साथ तैयार किया गया है। इंग्लैंड के हालातों को देखते हुए एक मजबूत टीम संयोजन तैयार किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है: क्रेग ब्रेथवेट (कप्तान), एलिक अथानाजे, जेसन होल्डर, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, जाचरी मैक्कास्की, किर्क मैकेंजी, गुडाकेश मोती, केमार रोच, जेडन सील्स और केविन सिंक्लेयर।

तीरंदाज दीपिका का लक्ष्य विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन रहेगा

नई दिल्ली । भारतीय महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी 14 जून से तुर्की के अंताल्या में होने वाले विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन रहेगा। दीपिका इस अंतिम ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए विदेश में ट्रेनिंग कर रही हैं। पिछले माह शंघाई में हुए विश्व कप में रजत पदक जीतने के बाद से ही दीपिका को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में फिर से शामिल कर लिया गया था। विश्व क्वालीफाइंग में बेहतर प्रदर्शन कर दीपिका और अन्य भारतीय तीरंदाज पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने का भी प्रयास करेंगे। टॉप्स के तहत मंत्रालय उनके हवाई किराये, रहने खाने, अभ्यास और आने-जाने का खर्च उठायेगा। वहीं मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने तीरंदाजी पुरुष और महिला टीमों को फिजियोथेरेपी उपकरण खरीदने के लिये भी वित्तीय सहायता को मंजूर कर लिया है। इसके अलावा प्रवीण जाधव को तीरंदाजी उपकरण खरीदने और निशानेबाज रेइजा ढिल्लों को भारत में 11 दिन तथा इटली में एक सप्ताह अभ्यास की भी अनुमति दे दी गयी है। ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी के लिए विजन एंड आई ट्रेनिंग कोच की भी व्यवस्था की जाएगी। एथलीट एल्डोस पॉल और किशोर कुमार जेना और बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय को भी सभी प्रकार की सहायता दी जाएगी।

भारतीय टीम में संतुलन की कमी : स्टाइरिस

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टाइरिस ने कहा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप में उतरी भारतीय टीम काफी बेहतर और प्रतिभाशाली है पर उसे जीत के लिए अपनी कमजोरियों को दूर करना पड़ेगा। स्टाइरिस के अनुसार भारतीय टीम में संतुलन की कमी है। स्टाइरिस ने टूर्नामेंट की अपनी पांच पसंदीदा टीमों की घोषणा करते हुए उनकी कमजोरियों को भी बताया है।

स्टाइरिस ने कहा, मुझे लगता है कि अगर वे सभी टीमें अपनी फॉर्म में आ जाती हैं तो किसी भी समय संभवतः चार या शायद पांच पसंदीदा टीमें जीत की दावेदार होंगी। दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन काफी अच्छा है। इसके अलावा भारतीय टीम भी प्रतिभाशाली है पर उसका क्षेत्ररक्षण ठीक नहीं है। टीम का संतुलन भी एक समस्या है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि मुझे लगता है कि घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी प्रबल दावेदार होंगी।

यह सिर्फ मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है: संन्यास की पूर्व संध्या पर बोले सुनील छेत्री

चेन्नई (एजेंसी)। कोलकाता - भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री ने बुधवार को अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर चल रही सुर्खियों को कम महत्व देते हुए यहां कुवैत के खिलाफ टीम के अहम फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। भारत अगर गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच को जीत जाता है तो फीफा विश्व कप के तीसरे दौर में उसकी जगह लगभग पक्की हो जाएगी।

फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होना है। इस में भाग लेने वाली एशिया की टीम का फैसला तीसरे क्वालीफायर के बाद होगा। छेत्री ने पिछले महीने घोषणा की थी कि कुवैत के खिलाफ फीफा क्वालीफायर का दूसरे चरण का मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में उनका आखिरी मैच होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 साल तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे इस खिलाड़ी ने कुवैत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'यह मेरे और मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है। मैं इसे इस तरह से नहीं देखता हूं। हम वास्तव में यह मुकाबला जीतना चाहते हैं। यह आसान नहीं होने वाला है, लेकिन हम तैयार हैं। हमें जबरदस्त समर्थन मिलेगा।'

इस 39 साल के स्ट्राइकर ने अपने आगे की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'अगर हम कल जीतते हैं तो हम लगभग क्वालीफाई (तीसरे चरण के लिए) कर लेंगे। हमें घरेलू और विदेशी सरजमीं पर पांच-पांच मैच खेलने का मौका मिलेगा। मैं अच्छे सूट पहनूंगा और जहां भी टीम खेलेगी वहां मैच देखूंगा।' छेत्री ने कहा, 'मैं हर दिन टीम के खिलाड़ियों से बात करता हूं। मैं उन्हें इस सपने के बारे में बताता रहता हूं। मुकाबले से पहले लंबा शिविर मददगार होता है। आपके पास टीम की खामियों को दूर करने के लिए अधिक समय होता है।'

छेत्री से जब पूछा गया कि वह संन्यास के अपने फैसले पर फिर से विचार कर सकते हैं तो उन्होंने इसका ना में जवाब दिया। देश के लिए 150 मैचों में 94 गोल करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, 'नहीं सर, मेरे सूट तैयार हो गए हैं और अब मैं टीम के खिलाड़ियों के खेल का लुत्फ उठाउंगा। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है। मेरी 19 साल की यात्रा बहुत अच्छी रही। टीम जहां भी जाएगी, मैं एक प्रशंसक के तौर पर जाऊंगा और टीम का समर्थन करूंगा।'

इस मौके पर भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि उन्हें टीम की तैयारियों पर पूरा विश्वास है। स्टिमक ने कहा, 'हमें इन खिलाड़ियों का ख्याल रखना होगा। उनकी टीम में भी सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर नहीं है। हमें भी सदेश झिंगन की कमी खलेगी। उन्होंने कतर के खिलाफ पिछले मैच में अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया था।' भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे हालांकि अपनी तैयारियों पर पूरा भरोसा है। यह फुटबॉल का खेल है और खिलाड़ियों को इसका लुत्फ उठाना चाहिये। नतीजा हमेशा भगवान के हाथ में होता है।'

लालियानुआला चांगटे को छेत्री की जर्सी मिलने की उम्मीद

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के संन्यास के बाद लालियानुआला चांगटे को उनकी नौवें नंबर की जर्सी मिल सकती है। छेत्री 6 जून को सॉल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अपना अंतिम मैच खेलेंगे। भारतीय टीम इस मैच के लिए कोलकाता पहुंच गई है। विंगर लालियानुआला चांगटे ने कहा, 'मेरा कद और खेल नौवें नंबर की जर्सी के अनुरुप है पर यह मिलती है या नहीं ये भगवान का फैसला होगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे ये जर्सी मिलती है तो ये मेरे लिए एक उपलब्धि होगी।' चांगटे को 2023 में 'एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर' का अवार्ड मिला था। इस खिलाड़ी ने छेत्री के संन्यास पर कहा, 'हर कोई दुखी है पर उनकी उपलब्धियों को देखते हुए हम उनके लिए खुश भी हैं। उन्होंने देश के लिए जो किया है, उसे देखते हुए ड्रेसिंग रूम में हमें उनकी काफी कमी खलेगी.पर मैं उम्मीद करता हूं कि कोई जिम्मेदारी लेगा।' सुनील छेत्री ने भारत के लिए 150 मैचों में 94 गोल किए हैं और वह ये रिकार्ड बनाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। भारत के लिए अपने पदार्पण को याद करते हुए चांगटे ने कहा कि तब छेत्री ने उनका मनोबल बढ़ाया था। चांगटे ने कहा, 'जब मैं पहली बार जब मैं भारत के लिए खेला था तो उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि खेल का आनंद लो। उनके साथ खेलना सौभाग्य की बात है। मैं उनके साथ हर ट्रेनिंग सत्र को याद करता हूं।

जो टीम दबाव का बेहतर तरीके से सामना करेगी, उसी को मिलेगी जीत: शाहिद अफरीदी

-भारत-पाक मुकाबले को खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता बताया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारत-पाक मुकाबले को खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता करार दिया है।इस पूर्व ऑलराउंडर के अनुसार दोनो में से जो टीम नौ जून को दवाब का बेहतर तरीके से सामना करेगी उसी को जीत मिलेगी। इससे पहले हुए टी20 विश्व कप में विराट कोहली की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को जीत मिली थी। टी20 विश्व कप के एम्बेसडर अफरीदी ने कहा, 'मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना ??है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय प्रशंसकों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता था और यह दोनों टीमों के लिए बहुत अहम है।

साथ ही कहा, 'भारत के खिलाफ यह अवसर दबाव से निपटने के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है। इस मैच में और पूरे टूर्नामेंट में यही होगा। इस दौरान जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी उसे ही जीत मिलेगी। अफरीदी ने कहा कि इस प्रारुप ये बताना बेहद कठिन है कि कौन जीत का प्रबल दावेदार रहेगा। इसका कारण ये है कि टी20 क्रिकेट बहुत अप्रत्याशित है और दौनो ही टीमों की बल्लेबाज में अब बहुत गहराई है। आपका आठवें नंबर पर आने वाला बल्लेबाज 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर मैच जीत सकता है। मुझे उम्मीद है कि इस बार पाक टीम जीतेगी हालांकि ये बताना बेहद कठिन है। उन्होंने माना कि इस टूर्नामेंट से पहले पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। अफरीदी ने कहा, 'भले ही टीम के फॉर्म में निरंतरता की कमी हो पर मेरा मानना है कि उनके पास वेस्टइंडीज और अमेरिका अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी चीजें हैं।

आर्थिक संकट के कारण पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी नहीं कर पा रही पैरा निशानेबाज मोना

नई दिल्ली । पैरा निशानेबाजी विश्व कप में लगातार तीन स्वर्ण पदक विजेता मोना अग्रवाल आर्थिक संकट के कारण आगामी पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी भी नहीं कर पा रही। मोना के पास नई व्हीलचेयर खरीदने के लिए भी पर्याप्त रकम नहीं है। जरूरी धनराशि नहीं जुटा पा रही हैं जिससे उनकी पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी प्रभावित हो रही है। मोना पोलियो से ग्रस्त है और पैरा निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) वर्ग में भाग लेती है। इस निशानेबाज ने मार्च में पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीत कर भारत को पैरालंपिक खेलों के लिए नौवां और अंतिम कोटा दिलाया था। मोना ने इसके बाद अप्रैल में कोरिया के चांगवोन में पैरा विश्व कप में एक और स्वर्ण पदक जीता था। प्रायोजकों से मिली पूरी धनराशि उन्होंने राइफल खरीदने और कोरिया में खेली गई प्रतियोगिता पर खर्च कर दी। जिसके कारण वह संकट में फंसी है। मोना को ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) में शामिल किए जाने की उम्मीद थी पर उन्हें शामिल नहीं किया गया जिससे उन्हें आर्थिक सहायता नहीं मिल पायी।

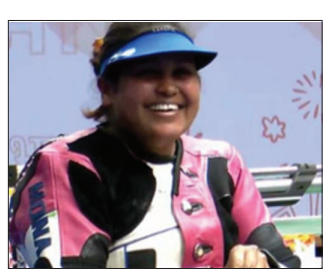

भारतीय टीम टी20 महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी: हरमनप्रीत

ढाका (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं।

हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बांग्लादेश को 5-0 से हराया था। हरमनप्रीत ने एक समारोह के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा जिसका मुकाबला करने के लिए हमारी टीम उत्साहित है क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, 'अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमारा मनोबल बढ़ेगा इसलिए मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं। हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान बांग्लादेश टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की सीरीज में शानदार जीत से टीम बेहतर हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

क्यों देंखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हॉलीवुड अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने दी पीएम मोदी को बधाई

-नरेंद्र मोदी का फिर से चुना जाना एक नए भारत की शुरुआत

वॉशिंगटन। लोकसभा चुनाव में बीजेपी एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, उसे पूर्ण बहुमत तो नहीं मिल पाया है लेकिन वह अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एनडीए की सरकार बनाने जा रही है और नरेंद्र मोदी की तीसरी बार पीएम बनने जा रहे हैं। इसको लेकर नरेंद्र मोदी को दुनिया भर से बधाई संदेश मिले हैं। वहीं अमेरिकी गायिका और हॉलीवुड अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने भी पीएम मोदी को बधाई दी है। गायिका मिलबेन ने एक्स लिखा है कि आपको भगवान ने चुना है। मेरे प्यारे भारतवासियों, नमस्ते। आज का दिन भारत और दुनिया के लिए ऐतिहासिक दिन है। मेरे मित्र पीएम नरेंद्र मोदी का फिर से चुना जाना एक नए भारत की शुरुआत है। पीएम मोदी, मैं आपको फिर से चुने जाने पर बधाई देती हूं। मैं आपके लिए बहुत खुश हूं। आप भारत के चुने हुए नेता हैं, जिन्हें भगवान ने और फिर भारत के लोगों ने चुना है। वह आगे लिखती हैं, आपने पश्चिम के उन लोगों को गलत साबित कर दिया है जिन्होंने आपकी लंबे कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। मुझे उम्मीद है कि आप नेतृत्व करते हुए ईश्वर के राजदूत बने रहेंगे। ईश्वर की सेवा में आप भारत के लोगों को निराश नहीं करेंगे। 140 करोड़ लोगों की सेवा के लिए आपको चुना गया है। मैरी ने आगे कहा कि आप दुनिया के सबसे लोकप्रिय देश और 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर शासन करते हैं। आप दुनिया भर के देशों के बीच शांति और सद्भावना की आवाज के रूप में स्थापित करे। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें जीती हैं। बीजेपी ने 240 सीटें जीतीं। बीजेपी के सहयोगी दल टीडीपी ने 16 और जेडीयू ने 12 सीट हासिल की हैं। जीत के बाद पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया और उनके समर्थन के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

आईएमएफ एजेंट का किरदार फिर से निभाना नहीं चाहता था : रेनर

- हॉलीवुड स्टार ने 'मिशन : इम्पॉसिबल' में नहीं किया था काम

लॉस एंजेलिस। मिशन इम्पॉसिबल फ्रेंचाइजी में काम करने वाले हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर ने मिशन इम्पॉसिबल-फॉलआउट में काम न करने को लेकर खुलासा किया है। हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर ने 2011 में मिशन इम्पॉसिबल-घोस्ट प्रोटोकॉल और 2015 में मिशन इम्पॉसिबल-रॉग नेशन समेत दो मिशन इम्पॉसिबल फ्रेंचाइजी में काम किया है। हैप्पी सैड कन्फ्यूज्ड पॉडकास्ट पर एक साक्षात्कार में जेरेमी रेनर ने कहा कि मुझे 2018 की सीक्वल फॉलआउट में आईएमएफ एजेंट विलियम ब्रांट के चरित्र को फिर से निभाने के लिए कहा गया था। फिल्म के लिए उन्हें ऐसी भूमिका दी गई थी जिसके लिए उन्हें एक सप्ताह तक शूटिंग करनी थी ताकि उनके किरदार ब्रांट को मार दिया जा सके। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट में एक्टर की ओर से कहा गया था कि मुझे याद है कि उन्होंने मुझे एक हफ्ते तक अपने साथ लाने की कोशिश की ताकि वे मेरे किरदार को मार सके और मैंने कहा था कि नहीं। तुम मेरे किरदार को नहीं मार सकते। उन्होंने कहा कि यदि आप मेरे चरित्र का उपयोग करने जा रहे हैं तो सही तरीके से करें। रेनर ने कहा कि मैं निर्देशक क्रिस्टोफर पर नाराज हुआ। उन्होंने रॉग नेशन के बाद कभी भी मिशन इम्पॉसिबल फ्रैंचाइजी में वापसी नहीं की, हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह वापस आने के लिए तैयार हैं। ऑस्कर के लिए नामांकित रेनर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि रॉग नेशन के बाद मिशन इम्पॉसिबल फ्रैंचाइजी इसलिए नहीं की ताकि वह अपने परिवार के साथ समय बिता सकें। रेनर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1995 की कॉमेडी नेशनल लैम्पून्स सीनियर ट्रिप में एक छात्र के रूप में की थी। लेकिन उनको दर्शकों का प्यार नहीं मिल पाया।

ये है अमेरिका का सबसे खराब शहर... कॉकरोच से पट पड़ा है पूरा नगर

करांची। पाकिस्तान के क्वेटा शहर से 40 किमी दूर संजादी की कोयला खदान में दम घुटने से कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल घानी ने पुष्टि की कि खदान में घातक मीथेन गैस के कारण दम घुटने से 11 श्रमिकों की मौत हो गयी। संजादी क्वेटा से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। घानी ने कहा, सभी श्रमिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात के रहने वाले थे। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें दफनाने के लिए उनके गृहनगर भेजा जाएगा। पाकिस्तान में खनन कार्य खतरनाक कार्य स्थितियों के लिए बदनाम है।

भारत, अमेरिका के साथ नजदीकी रिश्ते जारी रखेगा

-चुनावी नतीजों के बाद अमेरिका ने जताई उम्मीद

वॉशिंगटन। भारत में लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब नई सरकार के गठन से पहले अमेरिका ने कहा कि वह भारत के साथ नजदीकी रिश्ते बनाए रखने की उम्मीद करता है। इस चुनाव में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है, लेकिन बीजेपी अकेले 240 सीटें हासिल कर सकी है और वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यह बहुमत के आंकड़े से 32 सीटें कम है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह अमेरिका और भारत के बीच नजदीकी रिश्ते जारी रहने की उम्मीद करता हैं। सरकार के स्तर पर और दोनों देशों के लोगों के बीच भी बहुत अच्छा सहयोग है और उन्हें उसके जारी रहने का पूरा यकीन है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से हम इतने बड़े पैमाने पर चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के लिए भारत की सरकार और वहां के लोगों की तारीफ करते हैं।

दक्षिण अफ़्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में बारिश से दस लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग, । पूर्वी दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में हाल की भारी बारिश के कारण दस लोगों की मौत हो गई है। प्रांतीय सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। क्वाजुलु-नटाल प्रांतीय सरकार ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि रविवार रात और सोमवार को प्रांत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि हुई जिसके कारण घरों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ। बयान के अनुसार प्रांतीय सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने आपदा राहत के आकलन और प्रावधान के लिए प्रांत के सबसे बड़े शहर डरबन के उत्तर में उथोंगथी क्षेत्र का दौरा किया है। बयान में कहा गया 'वे वहां तूफान से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए गए थे, जिसमें घर नष्ट हो गए और प्रांत में 10 लोगों की जान चली गई।' प्रांतीय सरकार ने कहा कि उमगाबाबा, डरबन सेंट्रल और शहर के पश्चिमी हिस्सों सहित डरबन के आसपास के अन्य इलाकों में भी भारी बारिश हुई, जिससे कुछ घरों और सड़कों पर पानी भर गया।

इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में भूकंप के झटके

हांगकांग, । इंडोनेशिया के दक्षिणी सुमात्रा में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक 02:20 बजे (ग्रीनविच मीन टाइम) आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 3.66 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 100.68 डिग्री पूर्वी देशांतर तथा जमीन की सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई पर रहा।

स्लोवेनिया में एक व्यक्ति फिलिस्तीन का झंडा लगाते हुए। इससे पहले संसद ने फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता दे दी थी।

चीन ने प्रधानमंत्री मोदी और राजग को आम चुनाव में जीत पर बधाई दी

बीजिंग। चीन ने आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विजयी होने पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी और कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण हितों को ध्यान में रखकर भारत के साथ काम करने को तैयार है। भारत निर्वाचन आयोग सभी लोकसभा क्षेत्रों के लिए परिणाम की घोषणा कर चुका है। भाजपा ने लोकसभा की 543 में से 240 सीट जीती हैं, जबकि कांग्रेस 99 सीट पर विजयी रही है। भाजपा नीत राजग लोकसभा में 272 से अधिक सीट जीतकर बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर चुका है। हालांकि, 2014 के बाद भाजपा पहली बार अपने दम पर 272 के जादुई आंकड़े को हासिल नहीं कर पाई। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, '' हमने भारत के आम चुनाव के नतीजे पर गौर किया है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भाजपा एवं राजग की जीत पर बधाई देते हैं।'' उन्होंने पत्रकार वार्ता में भारत के आम चुनाव के नतीजे पर प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि भारत के साथ सुदृढ़ और स्थिर संबंध दोनों देशों के हितों के अनुकूल है तथा क्षेत्र और उसके बाहर भी शांति एवं विकास के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि चीन अपने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण हितों को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों एवं उनकी जनता के मौलिक हितों के वास्ते भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। साल 2020 में पैंगोंग त्सो (झील) क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट आई है। गतिरोध को हल करने के लिए दोनों पक्षों ने अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की वार्ता की है।

अमेरिकी सांसद ने 1989 के तियानमेन दमन को याद करते हुए चीनी खतरों से आगाह किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद के सदस्यों ने चीन के तियानमेन चौक पर हुए नरसंहार की बरसी पर मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी आज भी उतनी ही निर्दयी और दमनकारी है जितनी 1989 में थी जब उसने बीजिंग में शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए टैंक भेजे थे।

डेमोक्रटिक सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने आगाह किया कि चीनी के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हिंसा का सहारा लेने से भी गुरेज नहीं करते, उनके पूर्ववर्तियों ने भी ऐसा ही किया था।

उन्होंने कहा, ''हमें यह याद रखना चाहिए जब शी चिनफिंग बोलते हैं कि वे विध्वंसकारी और अलगाववादी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगेजो इसका मतलब वह दुनिया से कह रहे हैं कि (पार्टी) उन टैंकों को फिर से उन लोगों की आवाज दबाने के लिए भेज देगी जो स्वतंत्रता के लिए खड़े होंगे।''तियानमेन दमन की बरसी पर मंगलवार को आयोजित किए गए कार्यक्रम में इस आंदोलन के पूर्व छात्र नेता और हांगकांग के युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका ने चीन को लेकर अपनी नीति में प्रतिस्पर्धा पर जोर देना शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है।

दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की ओर से सेना की तैनाती और स्वशासित द्वीप ताइवान के खिलाफ सैन्य खतरों को लेकर भी दोनों देशों के बीच गतिरोध सामने आता रहा है।

नाटो सेना रुस पर हमले को तैयार, तीन लाख सैनिक होंगे तैनात

वाशिंगटन। रुस और यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं इसमें कई लोगों की जानें भी गई हैं और सैकड़ों घर तबाह हो चुके हैं लेकिन इसका कोई हल नहीं निकल पा रहा है। अब वहीं रूस के साथ संभावित संघर्ष के लिए नाटो सेना तैयारी कर रही है, ताकि 300,000 अमेरिकी सैनिकों को यूरोपीय मोर्चे पर जल्दी से तैनात किया जा सके।

लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर सोलफ्रैंक ने कहा कि हम उन्हें जानते हैं, अफगानिस्तान और इराक में विशाल रसद अड्डे अब संभव नहीं हैं क्योंकि संघर्ष की स्थिति में उन पर पहले ही हमला किया जाएगा और उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा। ये गलियारे नीदरलैंड, इटली, ग्रीस, तुर्की और नॉर्वे के बंदरगाहों के साथ-साथ जर्मनी-पोलैंड रेलवे का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि रूसी चेतावनियों के साथ यह रणनीतिक कदम किसी भी खतरे में पड़े नाटो क्षेत्र की रक्षा के लिए तेजी से सैन्य सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करता है। इससे पहले नाटो देशों ब्रिटेन, कनाडा, लातविया, लिथुआनिया, द नीदरलैंड्स, पोलैंड, फिनलैंड, फ्रांस, चेक गणराज्य, स्वीडन और इस्तोनिया ने मिलकर यूक्रेन को रूस के टारगेट्स पर स्ट्राइक करने को कहा था। ये सभी देश मिलकर यूक्रेन को सपोर्ट कर रहे हैं और हथियार भी सप्लाई कर रहे हैं।

रूस की इंटेलिजेंस एजेंसी पहले ही दावा कर चुकी है। रूस की मुख्य इंटेलिजेंस एजेंसी ने यह पुख्ता किया है कि नाटो देश रूस के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रूसी जासूसी एजेंसी कह चुकी है कि इस हमले से पहले नाटो देश पहले साइबरअटैक करेंगे। उसके बाद सर्जिकल स्ट्राइक करके रूसी नेताओं को मार सकते हैं। इसके बाद रूस के खिलाफ जंग छेड़ेंगे। रूस का दावा है कि नाटो इसके लिए सालों से तैयारी कर रहा है।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान के पांच पूर्व नौसेना अधिकारियों की फांसी पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद की एक शीर्ष अदालत ने पांच पूर्व पाकिस्तानी नौसेना अधिकारियों की फांसी पर रोक लगा दी है जिन्हें पहले 'जनरल कोर्ट मार्शल' के एक आदेश के द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश बाबर सत्तार ने नौसेना अधिकारियों के अनुरोध पर मंगलवार को लिखित आदेश जारी किया। इससे एक दिन पहले इस मामले में सुनवाई हुई थी। अधिकारियों ने कहा था कि 'जनरल कोर्ट-मार्शल' के आदेश के दौरान उन्हें कानूनी सहायता नहीं दी गई थी। इस बारे में कोई और विवरण उपलब्ध नहीं था कि पांच पूर्व नौसेना कर्मियों को मौत की सजा क्यों सुनाई गई थी। अदालत ने निर्देश दिया कि 'चूंकि जीवन के अधिकार और उचित प्रक्रिया के संरक्षण का मूल प्रश्न है, इसलिए याचिका के निपटारे तक याचिकाकर्ताओं को फांसी नहीं दी जाएगी।'

हमने तालिबान के साथ आगे बढ़ने के कुछ अवसर खो दिए

- संयुक्त राष्ट्र के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल मार्टिंग ग्रिफिथ्स ने दिया बयान

जिनेवा (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान का कठोर शासन है, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन करता है। संयुक्त राष्ट्र के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल मार्टिंग ग्रिफिथ्स ने कहा कि अफगानिस्तान खोए हुए अवसरों का देश है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने तालिबान के साथ आगे बढ़ने के कुछ अवसर खो दिए हैं। उनके साथ जुड़ने का एक निश्चित तरीका है, मुझे लगता है कि उनके आदेशों और फैसलों को देखते हुए हमने मौका खो दिया है। हम ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं बना सके जिससे हम तालिबान के साथ व्यापक रूप से जुड़ सकें।

उन्होंने कहा कि निवेश और अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने से अफगानिस्तान प्रगति करेगा और प्रमुख सदस्य देशों को इसे आगे बढ़ाना होगा। ग्रिफिथ्स ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 30 जून को दोहा में होने वाली संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित बैठक अफगानिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण का एजेंडा तय करेगी। जब 2021 में अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाई और तालिबान ने सत्ता संभाली तो उन्होंने कहा कि हमें तब कुछ उम्मीदें थीं, कुछ लिखित प्रतिबद्धताएं थीं।

घर से बाहर काम करने वाली लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के खिलाफ तालिबान के आदेशों के बारे में उन्होंने कहा कि वे सभी उम्मीदें धराशायी हो गई। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ एक के बाद एक आदेश आए। उन्होंने कहा कि ये 20 साल के खोए अवसरों का परिणाम है। 30 साल से ज्यादा वक्त तक मानवीय कार्य करने के बाद इस महीने के आखिर में संयुक्त राष्ट्र छोड़ने वाले ग्रिफिथ्स ने कहा कि दुनिया की स्थिति अब उस समय से भी बदतर है जब उन्होंने पद संभाला था।

उन्होंने कहा कि ऊपर वाला जानता है कि यह एक अच्छी दुनिया नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना युद्ध के अभिशाप को खत्म करने के लिए की गई थी, लेकिन हम संघर्ष को खत्म करने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत और संवाद नहीं हो रहा है। यह बहुत जरुरी है बातचीत से ही संघर्ष खत्म होगा।

बाइडन और ट्रंप ने कुछ राज्यों में अपनी पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

न्यूयॉर्क, । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगवलार को कुछ राज्यों में डमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीत लिया। 'पॉर्न स्टार' स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद पहली बार चुनाव में उतरे ट्रंप ने न्यू मेक्सिको, मोंटाना और न्यू जर्सी में प्राइमरी चुनाव जीता। बाइडन ने न्यू मेक्सिको, साउथ डकोटा, न्यू जर्सी, मोंटाना और वाशिंगटन डीसी में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीता। ट्रंप और बाइडन दोनों को मंगलवार को हुए मुकाबलों में आसानी से जीत हासिल करने की उम्मीद थी। लेकिन कई अमेरिकियों का कहना है कि वे 2020 के चुनाव को दोहराना नहीं चाहते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में ट्रंप के वर्चस्व को पहले संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने चुनौती दी थी लेकिन बाद में उन्होंने मार्च में राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की। हेली ने दो सप्ताह पहले कहा था कि वह नवंबर में ट्रंप के लिए वोट करेंगी। हालांकि, न्यू मेक्सिको में वह प्राइमरी चुनाव की दौड़ में शामिल थीं जहां कई मतदाताओं ने हेली के पक्ष में वोट किया लेकिन मंगलवार देर रात तक उनका वोट प्रतिशत 10 फीसदी से कम था। बाइडन को हमास के साथ इजराइल के युद्ध से निपटने को लेकर डेमोक्रेटिक मतदाताओं की नाखुशी के कारण हाल में हुए मुकाबलों में विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। इस बीच, मतदाताओं ने मंगलवार को इन राज्यों में संघीय, राज्य और स्थानीय कार्यालय के लिए प्राइमरी चुनाव में भी वोट डाला।

चुनावों के बीच न्यायाधीशों ने मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित किया: सीजेआई चंद्रचूड़

ऑक्सफोर्ड/लंदन (एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है, वहीं न्यायाधीश व्यवस्था की रक्षा करने वाले संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ मंगलवार को प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, समाज में निर्णायकों की मानवीय भूमिका के विषय पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने इस दौरान न्यायिक प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली कुछ ''अनुचित'' आलोचनाओं को रेखांकित करते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी का समग्र प्रभाव न्यायपालिका को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचने में मदद करना है। उन्होंने भारत के आम चुनावों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''चुनाव संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार हैज भारत में न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते और इसका एक कारण यह भी है कि न्यायाधीश हालातों और संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं।''

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, ''लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें हम परंपरा की भावना को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही इस भावना को भी प्रदर्शित करते हैं कि एक अच्छे समाज का भविष्य कैसा होना चाहिए।'' निर्णय सुनाते समय उन्हें जिन राजनीतिक और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा, उसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश के रूप में मेरे 24 वर्षों के कार्यकाल में मुझे कभी भी ''राजनीतिक दबाव'' का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने कहा, ''हमारा जीवन सरकार की राजनीतिक शाखा से बिल्कुल अलग हैज्लेकिन स्पष्ट रूप से न्यायाधीशों को अपने निर्णयों के व्यापक राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित होना चाहिए। यह राजनीतिक दबाव नहीं है, बल्कि न्यायालय द्वारा किसी निर्णय के संभावित प्रभाव की समझ है।'' वहां मौजूद विद्यार्थियों ने सीजेआई चंद्रचूड़ से पिछले वर्ष उच्चतम न्यायालय की ओर से विशेष विवाह अधिनियम पर सुनाए गए फैसले के बारे में सवाल पूछा जिसमें भारत में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के खिलाफ फैसला सुनाया गया था। उन्होंने कहा, ''मैं यहां फैसले का बचाव नहीं करूंगा, क्योंकि एक न्यायाधीश के तौर पर मेरा मानना है कि एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद यह न केवल राष्ट्र की बल्कि वैश्विक मानवता की पूंजी बन जाता है।''

रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना जारी रखेंगे, 'प्रिय मित्र नरेंद्र' को इमैनुएल मैक्रों का बधाई संदेश

(एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को 'प्रिय मित्र' नरेंद्र मोदी को बधाई दी क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए भारत में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की तैयारी कर रहा है। मैक्रों ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव संपन्न किया है! मेरे प्रिय मित्र, नरेंद्र मोदी को बधाई। हम साथ मिलकर भारत और फ्रांस को एकजुट करने वाली रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना जारी रखेंगे। एक्स पर मैक्रों ने लिखा कि नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से एनडीए का नेता चुने जाने पर बधाई। पिछले 10 वर्ष मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विकास और कल्याण के युग के रूप में सामने आए हैं। एनडीए नई ताकत और गति के साथ देश और उसके लोगों की सेवा करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

पिछले कुछ वर्षों में राफेल लड़ाकू जेट के अधिग्रहण से लेकर हेलीकॉप्टर इंजन विकसित करने तक दोनों नेताओं के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच संबंध कई नए क्षेत्रों में विस्तारित हुए हैं। पिछले साल, प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के निमंत्रण पर पेरिस में वार्षिक बैस्टिल डे परेड में 'सम्मानित अतिथि'' के रूप में भाग लिया था। दोनों देशों ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25 वीं वर्षगांठ मनाई थी।

फ्रांस ने पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च पुरस्कार ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से भी सम्मानित किया। इस साल की शुरुआत में भारत-फ्रांस संबंधों को एक बड़ा बढ़ावा मिला क्योंकि मैक्रोन जनवरी में अपनी दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। पिछले साल सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने भी भारत का दौरा किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों हो रही है शिवराज के उत्तराधिकारी की तलाश ?

भोपाल। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने के साथ मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उत्तराधिकारी की खोज तेज हो गई है। गौरतलब है कि एमपी में भाजपा ने सभी 29 सीटों पर जीत का परचम लहराया है। एक बड़ी जीत के साथ मप्र विधानसभा की खाली होने वाली संभावित सीटों पर उपचुनाव को लेकर चर्चा आम है, यही कारण है कि लोग कह रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री चौहान जब संसद जाएंगे तो फिर उनकी बुधनी विधानसभा सीट से किसे पार्टी मैदान में उतारेगी? इस प्रकार एक तरफ लोकसभा चुनाव में प्रदेश के तमाम सीटें जीतने का जश्न तो दूसरी तरफ मध्य प्रदेश में उपचुनाव को साधने की जिम्मेदारी भी पार्टी कर्ताधर्ताओं के कंधे पर आ गई है। अब चूंकि पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले के बुधनी से विधायक हैं और अब वो विदिशा लोकसभा सीट से सांसद भी चुने जा चुके हैं। ऐसे में प्रश्न यही है कि लोकसभा चुनाव जीतने के बाद संसद का रुख करने के कारण उन्हें विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। इसलिए आगे चलकर बुधनी विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा, जिसे लेकर चर्चा आग है कि शिवराज सिंह चौहान का उत्तराधिकारी होने का तमगा किसे हासिल होगा। पूर्व सीएम चौहान का बुधनी में उत्तराधिकारी उनका अपना बड़ा बेटा कार्तिकेय सिंह चौहान हो सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा क्योंकि लोकसभा चुनाव में कार्तिकेय ने बढ़-चढ़कर पार्टी के लिए काम किया है और अपनी उपस्थिति बेहतर ढंग से दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि यदि कार्तिकेय उत्तराधिकारी बनते हैं तो उनका जीतना लगभग तय है, क्योंकि कहा यही जाता है कि शिवराज मामा की छवि उनके बच्चों को चुनाव जितवाने के लिए काफी है। वैसे कार्तिकेय खुद मंजे हुए खिलाड़ी की तरह राजनीतिक गलियारे में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। एक खेमें ने यह संभावना भी व्यक्त की है कि विदिशा लोकसभा सीट से चूंकि शिवराज को लड़ाने के लिए पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव का टिकट काटा गया था। अतः अब उन्हें बुधनी से विधानसभा उपचुनाव लड़ाकर उपकृत किया जा सकता है। इस प्रकार यदि कार्तिकेय का नाम परिवारवाद की वजह से हटाया जाता है तो फिर रमाकांत भार्गव शिवराज के उत्तराधिकारी का रोल अदा कर सकते हैं। बहरहाल अभी सभी की निगाहें 18वीं लोकसभा पर टिकी हुई हैं, जहां यह देखना दिलचस्प होगा कि किसे क्या जिम्मेदारी मिलने वाली है। आठ लाख से अधिक मतों से शानदार जीत दर्ज करने वाले पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहार पर संपूर्ण प्रदेशवासियों की ही नहीं बल्कि देश के अधिकांश जिम्मेदार नागरिकों की भी निगाहें टिकी हुई हैं, कि आखिर उन्हें क्या हासिल होने जा रहा है।

बिहार की जनता ने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और साजिशों का सामना किया : तेजस्वी

पटना। (एजेंसी)

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों को लेकर कहा कि एक-एक बिहारवासी को हृदय से धन्यवाद जिन्होंने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और विभिन्न साजिशों का सामना करते हुए हमें अपना भरपूर प्यार और अपार समर्थन दिया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव परिणाम के बाद सियासी गलियारे में बयानबाजी का दौर चल रहा है। ऐसे में इंडिया महागठबंधन के नेता लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव जिन्होंने बिहार की कमान संभाली ने बिहार की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रत्येक बिहारवासी ने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और विभिन्न साजिशों का सामना किया और उन्हें भरपूर प्यार और अपार समर्थन दिया है। गौरतलब है कि तेजस्वी करीब एक माह व्हीलचेयर पर ही चुनावी रैलियां और सभाएं करते रहे हैं। चुनाव परिणाम के बाद तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि बिहार और देश की जनता को मैं धन्यवाद देता हूं। आपने प्रेम, सौहार्द एवं सामाजिक आर्थिक न्याय की राजनीति के पक्ष में रहते हुए अहंकार और तानाशाही की राजनीति को एक बड़ा झटका दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के परिणाम देश में एक सुखद अनुभूति की लहर लेकर आए हैं। संपूर्ण देश ने मिलकर भारत के वास्तविक मिजाज़, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा की है। तमाम जांच एजेंसियों, पक्षपाती आयोग, गोदी मीडिया, सरकारी मशीनरी, असीमित संसाधनों और साजिशों के साथ चुनाव लड़ रहे खुद को विश्व विजेता मानें लेकिन सच तो यही है, कि देश और बिहार की जनता ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर तानाशाही, झूठ, जुमलों और प्रपंच को करारी मात दी है।

उन्होंने कहा कि देश और बिहार ने यहां से एक नए रास्ते की रचना की है जिसकी नींव में रोज़गार, पढ़ाई, सिंचाई, दवाई और कमाई के मुद्दे अहम हैं, बंटवारे, घृणा, भेदभाव और तानाशाही की सोच नहीं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में सत्ता और सरोकार परिवर्तन में सकारात्मक लक्षण देखने को मिलेंगे। अंत में वो कहते हैं कि बिहार में हम 7-8 सीट कम मार्जिन से हारे हैं लेकिन हमने बहुजन, पिछड़े और प्रगतिशील धारा की एक बड़ी नींव रख दी है।

25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूलने के नाम पर स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के बाद से रेलवे ने अपनी इनकम को बढ़ाने के लिए स्पेशल ट्रेनों का स्वरूप ही बदल दिया है। पहले गर्मियों में, त्योहार के टाइम, या जब कोई विशेष आयोजन होते थे। उस समय पर रेलवे प्रशासन द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाई जाती थी। उसका सामान्य किराया होता था। यात्रियों को तकलीफ ना हो इसके लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाती थी। कोविड के बाद से रेलवे मंत्रालय द्वारा जो स्पेशल ट्रेन संचालित की जा रही है। उसमें नियमित ट्रेन की तुलना में 25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूल किया जा रहा है। इससे रेलवे की आय काफी बढ़ गईं है। पिछले दो वर्षों से स्पेशल ट्रेनों को लगातार चलाया जा रहा है। रेलवे यात्रियों से 25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूल किया जा रहा है। जो नियमित ट्रेन चलती थी, उसको रेलवे मंत्रालय ने शुरू न करके, स्पेशल ट्रेन के माध्यम से यात्रियों से टिकट का ज्यादा पैसा वसूल किया जा रहा है। स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी सही तरीके से नहीं हो रहा है। स्पेशल ट्रेनों ने अपनी लेट लतीफी के लिए एक अलग पहचान बना ली है। 30 घंटे तक की देरी से चलने का रिकॉर्ड स्पेशल ट्रेनों ने बना लिया है। इन्ही स्पेशल ट्रेनों में क्षमता से अधिक यात्रियों द्वारा सफर किया जाता है। सभी टिकट लेकर यात्रा करते हैं। लेकिन उन्हें आरक्षित बर्थ नहीं मिल पाती है। सामान्य डब्बे बहुत कम होते हैं। अमूमन सामान्य डिब्बे में डेढ़ सौ से 200 यात्री सफर करते हैं।

दक्षिण में भाजपा का वोट शेयर 8.39 फ़ीसदी बढा

कर्नाटक में कमजोर,आंध्र तेलंगाना और केरल में मज़बूत

बेंगलुरु। दक्षिण भारत के कर्नाटक तमिलनाडु केरल आंध्र और तेलंगाना में भाजपा का वोट 8.39 फ़ीसदी बढा है। 2019 की तुलना में 2024 में कर्नाटक में भाजपा कमजोर साबित हुई है। वही केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सहयोगी दलों की सहायता से भारतीय जनता पार्टी का वोट बैंक बढा है। तमिलनाडु में डीएमके और इंडिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया है। सभी 39 सीटों पर इंडिया गठबंधन को सफलता हासिल हुई है। आंध्र प्रदेश के चुनाव परिणाम काफी आश्चर्यजनक रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने 25 में से 16 सीटों पर जीत हासिल की है। वाईएसआर कांग्रेस केवल चार सीटों पर सफल हो पाई है। कांग्रेस ने यहां अपनी स्थिति मजबूत की है। विधानसभा चुनाव में उसकी एक सीट से बढ़कर 9 सीटें हो गई हैं। केरल में कांग्रेस की लोकसभा में 15 सीट थी। कांग्रेस को 2024 के चुनाव में एक सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस इस बार 14 सीटों पर विजय हासिल कर पाई है। राहुल गांधी ने वायनाड सीट से भारी मतों से जीत दर्ज कराई है। तेलंगाना में केसीआर का पूरी तरह से सूपड़ा साफ हो गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में केसीआर ने 9 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। कांग्रेस को तीन सीट मिली थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 8 सीट पर पहुंच गई है।

भाजपा के लिए 18वीं लोकसभा का समीकरण बदलने वाले प्रमुख राज्य

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे 04 जून को आने के साथ ही मालूम हो गया कि 18वीं लोकसभा वैसी नहीं होगी जैसे कि दावे किए जा रहे थे। यह सही है कि इस बार भी एनडीए पूर्ण बहुमत में है, वह 400 पार या 370 वाले लक्ष्य से काफी दूर रह गई है। एनडीए को इस चुनाव में कुल 293 सीटें मिली हैं। इनमें से भाजपा की 240 सीटें हैं। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन को 232 सीटों पर जीत हासिल हुई है।

अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर एनडीए को लक्ष्य से भटकाने वाले कौन-कौन राज्य रहे हैं। इन राज्यों में सबसे खास उत्तर प्रदेश है, जिसकी वाराणसी लोकसभा सीट से खुद प्रधानमंत्री जीत दर्ज कराकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का दावा पेश कर रहे हैं।

ऐसे सभी राज्यों के बारे में यहां जानते हैं, जिनसे एनडीए खासकर भाजपा को खासा झटका लगा है और उन्हें उम्मीद से कम सीटें मिली हैं।

सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले पांच राज्यों में से चार राज्यों में इस बार भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

सबसे पहले उत्तर प्रदेश को ही देख लें, जहां भाजपा की हिस्सेदारी घट गई है। यहां पर कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ सीधा मुक़ाबला कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं। यहां से भाजपा को पिछले चुनाव में 62 सीटें मिलीं थीं जो मौजूदा चुनाव में करीब आधी हो गईं और उसके खाते में महज 33 ही सीटें आई हैं।

इसी प्रकार दूसरा राज्य महाराष्ट्र है, जहां 48 सीटों में से, भाजपा को पिछले चुनाव में मिलीं 23 सीटों के मुकाबले इस चुनाव में महज 10 सीटें ही मिल पाई हैं। एक और राज्य पश्चिम बंगाल को देखें जहां 42 सीटों में से पिछले चुनाव में पार्टी को 18 सीटें मिलीं थीं लेकिन इस बार वह 12 पर आकर अटक गई। सबसे बड़ा झटका तमिलनाडु में लगा है, जहां 39 में से एक भी सीट भाजपा को नहीं मिली। बिहार की बात करें तो यहां पिछले चुनाव में भाजपा के पास 17 सीटें थीं जो घटकर 12 पर आ गईं। यह अलग बात है कि बिहार में एनडीए ने 40 में से 30 सीटों पर जीत दर्ज कर मामले को संभाल लिया है।

कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश समेत बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मणिपुर राज्य में भाजपा बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी। इस कारण अब 18वीं लोकसभा का समीकरण पूरी तरह से बदला हुआ नजर आ रहा है, जिसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे।

कहीं से किसी को कोई ऑफर नहीं मिला, एनडीए एकजुट है

चिराग ने कहा- नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने की चल रही तैयारी

पटना।

लोकसभा चुनाव के आए परिणामों के बाद दिल्ली की गद्दी पर कौन बैठेगा इसको लेकर तरह तरह की चर्चा की जा रही है। इसी बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बुधवार को इंडिया गठबन्धन से किसी भी प्रकार के ऑफर मिलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि कहीं से किसी को कोई ऑफर नहीं मिला है और एनडीए एकजुट है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने की तैयारी चल रही है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए चिराग ने कहा यह बड़ी जीत है, खासकर हमारी पार्टी के लिए। एक सांसद की पार्टी पर गठबंधन और खासकर प्रधानमंत्री ने विश्वास जताते हुए पांच सीट दी थी और सभी सीटों पर हमने जीत दर्ज की है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि हम लोगों पर जिस तरह बिहार के लोगों ने विश्वास जताकर पांच सीट जितवाई है, वह बड़ी जिम्मेदारी हम पांचों सांसदों की है। हम लोग अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। इधर, राजद के नेता तेजस्वी यादव के मोदी फैक्टर खत्म होने के बयान पर पूछे जाने पर पासवान ने कहा कि चार सीट जीतकर इतना घमंड? हाजीपुर से चुनाव हारने की मुबारकबाद दी थी। अब पहले उनको मुबारकबाद। हकीकत है कि वो नादान हैं। समझ नहीं रखते। उन्हें पता ही नहीं है कि जमीनी हकीकत क्या है? ऐसे में सिर्फ बड़े बयान देने से देश क्या प्रदेश में वे खुद को सिद्ध नहीं कर सकते।

पंजाब की दो निर्दलीय सीटों ने पूरे देश को चौंकाया

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल व बेअंत सिंह के बेटे ने जीती सीटें

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं वहीं पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के नतीजे भी सामने आ चुके हैं। यहां की 13 सीटों में सात कांग्रेस, तीन आम आदमी पार्टी और एक सीट पर शिरोमणि अकाली दल ने जीती है। वहीं जिन दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है उन सीटों ने पूरे देश को चौंका दिया है। ये दो सीटें खडूर साहिब और फरीदकोट की हैं। खडूर साहिब लोकसभा सीट से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के चेहरे पर लोगों ने जीत का सेहरा बांधा है। अमृतपाल इस समय देशद्रोह के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। वहीं फरीदकोट से सर्बजीत सिंह खालसा की जीत हुई है। सर्बजीत खालसा पूर्व पीएम श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले बेअंत सिंह का बेटा है। खडूर साहिब और फरीदकोट के नतीजे पारंपरिक राजनीतिक दलों के लिए सिखों के बीच बढ़ते असंतोष को उजागर करते हैं। अमृतपाल को पंजाब में आए ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, लेकिन उसने यहां आते ही लोगों के दिलों में जगह बना ली। उसने सबसे बड़ी समस्या नशे को पहचाना और उसे खत्म करने की मुहिम चलाई। अमृतपाल ने कई युवाओं को नशा छुड़ाने का दावा किया। इसके अलावा धर्म के प्रति अमृतपाल की सोच कट्टर है। खडूर साहिब पंथक सीट थी, इसलिए नशा छुड़ाने की आस और अमृतपाल की धर्म के प्रति सोच ने लोगों को आकर्षित किया।वहीं फरीदकोट सीट पर सर्बजीत की जीत के पीछे लोगों की आप और बीजेपी से नाराजगी रही। बेअंत सिंह के बेटे का मुकाबला आप उम्मीदवार कर्मजीत अनमोल और बीजेपी के हंसराज हंस से था। यहां आप सरकार से लोग नाराज थे। बीजेपी से किसानों नाराज थे। इसी वजह से लोगों का झुकाव सर्बजीत खालसा की तरफ हो गया।

भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने नीतीश-नायडू का सहारा

इंडिया गठबंधन क्या नीतीश को पीएम पद का दे सकता है ऑफर?

पटना। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम सामने आ चुके हैं। इस चुनाव में बीजेपी को कम सीटें हासिल हुई हैं। बीजेपी को सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू का सहारा लेना होगा तभी एनडीए की सरकार सत्ता पर काबिज हो सकेगी। अब देखना है कि नीतीश और नायडू का झुकाव किस ओर होता है। वैसे नीतीश और नायडू पीएम मोदी को पसंद नहीं करते हैं।

आपको बता दें कि चंद्रबाबू नायडू पांच साल पहले इसी प्रयास में थे कि नरेंद्र मोदी को केंद्र की सत्ता से हटाया जाए। उस समय नायडू ने हर प्रत्येक राज्य की राजधानी में जाकर नेताओं से बात भी की थी। वह नेताओं से कह रहे थे हम सब मिलकर एक ऐसा फ्रंट बनाएं जो केंद्र की सत्ता से नरेंद्र मोदी को हटा सकें। साल 2023-24 में वही रोल नीतीश कुमार निभाते नजर आए थे। नीतीश कुमार ने भी अलग-अलग दलों के बड़े नेताओं से मुलाकात की और सबको तैयार किया कि अगर हम एक हो जाए और एक ऐसा गठबंधन बनाएं जिसके दम पर नरेंद्र मोदी को केंद्र की सत्ता से बाहर किया जा सके। अब नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जिस मंशा से साल 2019 और 2024 में घूम रहे थे आज उसे साकार करने का उन्हें अवसर मिल गया है। इसे नियति ही कहेंगे कि कैसे राजनीति के कालचक्र का पहिया घूमा है कि आज दोनों नेता एनडीए में हैं, लेकिन उनके पास नरेंद्र मोदी के खिलाफ पुराने मंसूबा पूरा करने का मौका है।

आज नीतीश और नायडू इस हालात में हैं कि मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं यह ये दोनों ही तय करेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 में जेडीयू ने 12 सीटें जीती हैं और चंद्रबाबू नायडू के पास 16 सीटें हैं।

नीतीश के पास 2019 के मुकाबले चार सीटें कम है। लेकिन बिहार में कहा जाता है कि इलेक्शन कोई लड़े, पर राजा कौन बनेगा यह नीतीश कुमार तय करते हैं। उसी हालात में नीतीश फिर से आ गए हैं। हालांकि उन्हें यह मौका इस बार केंद्र में मिला है। यह संयोग देखकर यही लगता है कि नीतीश के हाथों लकीर में राजयोग है। फिलहाल पूरा देश दिल्ली की गद्दी को तय होते हुए देख रहा है। अब यह संयोग ही है कि जब दिल्ली की राजगद्दी को स्थिर किया जाएगा तो उसके साथ और क्या-क्या हो जाएगा। यानी किस किस तरह की राजनीतिक डील तय होगी। इस डील का सबसे बड़ा फायदा नीतीश कुमार को बिहार में होगा। पिछले कुछ दिनों से पटना के राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार की सीएम की कुर्सी डगमगाने की चर्चा होने लगी थी। लोकसभा की 12 सीटें अब उसे स्थिर कर देगी। लोकसभा चुनाव में जो हालात बने हैं उसके बाद यह साफ हो गया है कि भाजपा सपने में भी नहीं सोच सकती है कि नीतीश की सीएम कुर्सी को हिलाया जाए। अब नीतीश कुमार के पास केंद्र की सरकार को बचाए रखने के लिए 12 सीटों की संजीवनी है।

राजनीतिक गलियारे में चर्चा जोरो पर है कि इंडिया गठबंधन क्या नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री का पद ऑफर कर सकता है। वह 12 सीटों के साथ पीएम बनने का फैसला लेंगे या नहीं यह देखना होगा। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो उन्हें कांग्रेस, सपा, टीएमसी जैसे दलों से आश्वासन लेना होगा कि वह उन्हें परेशान नहीं करेंगे, ताकि वह स्वतंत्रता के साथ केंद्र की सरकार चला सकें। 2020 बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू के खिलाफ प्रत्याशी उतारने के बाद चिराग पासवान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी।

चाचा पशुपति ने चिराग को अलग थलग कर पार्टी तोड़ी। गौर करने वाली बात यह है कि बीजेपी की सरकार ने पशुपति की पार्टी को मान्यता देने के साथ उन्हें केंद्र में मंत्री भी बनाया। अब चिराग के पास मौका है कि अगर वह नीतीश कुमार के साथ एनडीए से अलग होते हैं तो केंद्र में एनडीए की सरकार को बनने से रोक सकते हैं।

यूं तो लोकसभा चुनाव में जीतन मांझी के पास केवल एक सीट है, लेकिन यह बड़े काम की हो सकती है। मांझी सख्त मोलभाव करने वाले नेता हैं। 4 विधायकों की बदौलत मांझी अपने बेटे संतोष को नीतीश कैबिनेट में मजबूत विभाग दिला चुके हैं। ऐसे में तय है कि केंद्र में एनडीए या इंडिया को सपोर्ट करने का मौका नहीं छोड़ेंगे। साल 2004 की बात है। चंद्रबाबू नायडू के ऊपर आरोप लगे थे कि उन्हीं के दबाव में अटल बिहारी वाजपेयी अपने कार्यकाल के एक साल पहले लोकसभा चुनाव में जाने का फैसला किया था।

जनता ने उसके शाइनिंग इंडिया के नारे को नकार दिया था और केंद्र में यूपीए की सरकार बनी। अब चंद्रबाबू नायडू के पास यह राजनीतिक अवसर आया है कि वह केंद्र में बीजेपी की सरकार बनाने में सहयोग करते हैं तो 2004 में अपने ऊपर लगे आरोप को धो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आज मुंबई में हुई प्री-मानसून बारिश, कई इलाकों में भरा पानी

6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान

मुंबई। मानसून में दस्तक दे दी हैं। मुंबई में पहली प्री-मानसून बारिश हुई। आज यानी बुधवार सुबह मुंबई में बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते 5 जून से बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया था। मौसम विभाग ने कहा था कि आने वाले हफ्ते में तापमान में भी कमी आएगी। मुंबई के बोरीवली, कांदिवली और दादर में बारिश हुई। अगले कुछ घंटों में और दिनों में मुंबई में अच्छी बारिश हो सकती है। आज सुबह 8 बजे के बाद मुंबई में बारिश से कुछ इलाकों में ज्यादा बारिश से जलभराव भी हो गया। बारिश के बाद मुंबई में गांधी मार्केट, माटुंगा में जलभराव हो गया। बारिश के बाद सुबह तापमान में गिरावट आई। पारा 33 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग ने 6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। 7 जून और वीकेंड के बाद और बारिश का पूर्वानुमान दिया है। इसके साथ ही तापमान और कम होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक यह घटकर 31 डिग्री तक पहुंच सकता है और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री होगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक नवी मुंबई में प्री मॉनसून शुरू हो गया है। मुंबई में मानसून के दस्तक देने की तारीख 10 जून है। मानसून के प्रोगेस के साथ इसमें कुछ बदलाव भी हो सकता है। मुंबई में रात के तापमान में रिकॉर्ड बनाया है। पिछले 18 दिनों में से 16 दिन न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के पार रहा है।

यूपी सीएम योगी को पीएम मोदी ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज जन्मदिन हैं। बुधवार को उनके 52वें जन्म दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में योगी सरकार गरीबों के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। एक्स पर पोस्ट में पीएम ने लिखा-यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वह यूपी की प्रगति और गरीबों और दलितों के लिए काम कर रहे हैं। मैं उनकी लंबी और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। सीएम योगी इस बार अपने जन्मदिन पर कोई कार्यक्रम नहीं कर रहे हैं और उन्होंने समर्थकों से भी कोई जश्न न मनाने का आग्रह किया है। बता दें सीएम योगी पहले भी अपने जन्मदिन पर कोई आयोजन नहीं करते थे।

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होगा उपचुनाव, वजह- विधायक बन गए हैं सांसद

लखनऊ।

लोकसभा चुनाव के परिणाम आते ही उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना भी तय हो गया है। फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझावन, मीरापुर, अयोध्या, बड़हल, कटेहरी, कुंदरकी सीटों से जो विधायक थे उन्हे लोकतांत्रिक पदोन्नति मिल गई है। अब वे विधायक से सांसद बन गए हैं। बता दें इस बार लोस चुनाव में 14 विधायकों को विभिन्न दलों ने चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से नौ विधायकों ने जीत दर्ज कर अपना सियासी कद बढ़ा लिया है। वहीं छह विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह भी शामिल हैं। भाजपा व सहयोगी दलों ने लोकसभा चुनाव के मैदान में सबसे ज्यादा आठ विधायकों व तीन एमएलसी को उतारा था। इनमें से फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल ने जीत दर्ज की है। फूलपुर सीट से तीन बार चुनाव जीत चुके प्रवीण पटेल इस बार मतदाताओं ने उन्हें संसद तक पहुंचा दिया है। वहीं हाथरस से चुनाव लड़े भाजपा के अनूप वाल्मीकि भी चुनाव जीत गए हैं। वह खैर विधानसभा सीट से विधायक थे और प्रदेश सरकार के मंत्री भी हैं। गाजियाबाद से भाजपा ने जनरल वीके सिंह का टिकट काटकर विधायक अतुल गर्ग को चुनावी मैदान में उतारा था। वह पार्टी की उम्मीदों पर खरे उतरे और जीत हासिल की। जनरल वीके सिंह ने इस सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में 5,01,500 मतों से सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। भदोही से भाजपा ने मझावन विधानसभा सीट से विधायक और निषाद पार्टी के विनोद कुमार बिंद को उतारा था। उन्होंने भी जीत हासिल कर संसद भवन पहुंचने का रास्ता तय कर लिया है। वहीं मीरापुर विधानसभा सीट से विधायक चंदन चौहान को रालोद के टिकट पर बिजनौर से जीत दर्ज कर अपना कद बढ़ाया है। समाजवादी पार्टी ने छह विधायकों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें अयोध्या के विधायक अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद से चुनाव जीतकर बड़ा उलट-फेर किया है।

दिल्ली में बैठकों का दौर शुरु, पीएम करेंगे कैबिनेट बैठक तो इंडिया ब्लॉक करेगा मंथन

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद दिल्ली में बैठकों का दौर शुरु हो गया है। यहां आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट बैठक करने जा रहे हैं तो एनडीए के घटक दलों और इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी कई मुद्दों पर विचार मंथन होगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू दोनों एनडीए की बैठक के लिए आज दिल्ली पहुंचने वाले हैं। एनडीए के दल आज राष्ट्रपति से मिलकर सरकार बनाने का दावा कर सकते हैं। जबकि इंडिया गठबंधन भी आज दिल्ली में एक बड़ी बैठक करने वाला है। लोकसभा चुनाव के परिणामों पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन आज अपनी अगली रणनीति तय करने के लिए एक बैठक करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों से संपर्क कर सकता है। जहां नीतीश कुमार बार-बार पाला बदलने के लिए लिए जाने जाते हैं वहीं नायडू जिनकी टीडीपी ने आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव जीता है, 2018 में एनडीए से बाहर हो गए थे, लेकिन हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों से पहले उन्होंने फिर से भाजपा से हाथ मिला लिया थे। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने 16 और नीतीश कुमार की जेडीयू ने 12 सीटें जीती थीं, वह एनडीए का हिस्सा हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत नगर पालिका के कई आरक्षित भूखंडों पर अवैध अतिक्रमण बड़ी संख्या में अस्थायी रिजर्वेशन में शेड हटाएगी

सूरत में कई जगहों पर असामाजिक तत्वों ने हमला किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका के वराछा ए जोन और वराछा बी जोन के साथ कटारगाम जोन में टी.पी. ऐसी कई शिकायतें हैं कि योजना के तहत नगरपालिका आरक्षित घोषित भूखंडों में बड़ी संख्या में अस्थायी संरचनाएं हैं, लेकिन नगरपालिका प्रणाली काम नहीं कर रही है। हालांकि, लोगों की इस शिकायत को नगर निगम सिस्टम ने ही आधिकारिक समर्थन दिया है.

सूरत नगर पालिका के वराछा बी जोन ने तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें साफ लिखा है कि यह टी.पी. यह योजना फिलहाल मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजी गई है, लेकिन मंजूरी मिलने तक टीपी योजना का नक्शा जारी कर दिया गया है। लेकिन इस क्षेत्र में. असामाजिक तत्वों द्वारा टी.पी. सड़कों और आरक्षणों के किनारे इस प्रकार के शेड बनाने की गतिविधि बड़े पैमाने पर शुरूकी गई है।

सूरत नगर पालिका के कई आरक्षित भूखंडों पर अवैध अतिक्रमण के साथ-साथ बड़ी संख्या में अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर दी गई हैं। लेकिन नगर पालिका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट उल्लेख है कि इस क्षेत्र की टी.पी. योजना क्षेत्र में कई असामाजिक तत्वों द्वारा आरक्षण भूखंडों में अवैध रूप से बनाये गये पत्तलों के शेड को हटाने का कार्य किया जायेगा.

इस तरह की गतिविधि के कारण भविष्य में टीपी योजना के कार्यान्वयन के दौरान टीपी रोड, आरक्षण पर कब्जा नहीं होने से जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराने में काफी कठिनाई हो रही है. आज की कार्रवाई से अप्रत्यक्ष रूप से पूरे क्षेत्र में ऐसी अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों को एक संदेश गया है। इसके अलावा आने वाले दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा. ऐसा कहकर पालिका तंत्र खुद स्वीकार कर रहा है कि पालिका के आरक्षित भूखंडों पर कई अवैध निर्माण हैं।

इसके अलावा सूरत मनपा के वराछा बी जोन में टीपी स्कीम नं. ९२ (सीमाड़ा-कोसमड़ा), ब्लॉक नं. ११०, १११/ए, फा. प्लॉट नं. ४३/बी, ४५, ४४, १३५, १३७, सीमाबद्ध संपत्ति नगर पालिका का आरक्षित भूखंड है। इस आरक्षित भूखंड में लंबे समय से चार अवैध बड़े अस्थायी निर्माण किए गए हैं। आज वराछा बी जोन के माध्यम से अस्थाई स्टार हटाकर १६७५ वर्ग मी. जगह खोल दी गई है. इसके अलावा, आठ अन्य अस्थायी ढांचे पाए गए हैं और उनके विध्वंस से पहले, अवैध निर्माण के मालिकों ने स्वैच्छिक विध्वंस की गारंटी दी है और हटाने का काम भी शुरू हो गया है।

व्यापारियों में प्रोग्राम के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता फैलाई गई

फोस्टा एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फोस्टा और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा बुधवार को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में सूरत कपड़ा बाजार के रघुकुल टेक्सटाइल मार्केट, मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट, ग्लोबल टेक्सटाइल मार्केट और राधाकृष्ण टेक्सटाइल मार्केट में कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों में पर्यावरण समबन्धी जागरूकता पैदा करना और उन्हें पेड़-पौधों के महत्व के बारे में समझाना था. फोस्टा अध्यक्ष कैलास हाकिम ने कहा कि वर्तमान में पेड़ों की संख्या कम होती जा रही है, जिसके कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि हमें पौधरोपण करने की आवश्यकता है, जिससे कपड़ा बाजार में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण सुरक्षित होगा.

उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने-अपने मार्केट के अंदर और बाहर पौधे लगाने चाहिए, जिसका फायदा हमें ही होगा और वातावरण भी सुंदर रहेगा. कोरोना काल में हम सभी ने ऑक्सीजन की कमी देखी है. ऑक्सीजन का दूसरा नाम प्राणवायु है. उन्होंने कहा कि यदि आपके मार्केट क्षेत्र या प्रतिष्ठान में प्राणवायु का स्तर अच्छा रहेगा, तो इससे आपका स्वास्थ्य और मानसिक विकास होगा. साथ ही, व्यापार विकास में भी मन लगेगा.

फोस्टा ने उपरोक्त सभी कपड़ा बाजारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग देकर इसे प्रोत्साहित किया. इस कार्यक्रम में फोस्टा के पदाधिकारीगण, विभिन्न मार्केट के अग्रणी और व्यापारी बंधु, कर्मयोद्धा उपस्थित रहे.

पार्सल सर्विस सेंटर के कर्मचारियों ने चोरी कर लगाई आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में पांडेसरा दक्षेश्वर महादेव मंदिर के पास ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड नाम से एक सर्विस सेंटर है. सर्विस सेंटर में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. आरोपी कर्मचारियों ने चोरी के बाद सबूत मिटाने के लिए आग लगाने का नाटक रचा. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर पूरे मामले का भंडाफोड़ कर दिया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने सिक्योरिटी एगजीक्यूटिव गोपालराव वासुदेवराव, बदरू मंगलुभाई भुकन और सुपरवाइजर जावेद अली मोहम्मद अली सैयद को पकड़ लिया है. पुलिस को आरोपियों के पास से ८,२५,९२० रुपये नकद और २६.९६ लाख रुपये के ४० मोबाइल, एक डीवीआर और एक लैपटॉप और कुल ३५,५१,९२० रुपये के मुद्दत माल बरामद किए.

डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि ब्लू डार्ट पार्सल सर्विस सेंटर के ऑफिस में आग लगने की शिकायत दर्ज कराई गई थी. इस मामले में पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और जिस तरह से आग लगी उससे पुलिस को थोड़ा शक हुआ. जो घटना बताई गई और मौके पर जो स्थिति थी, एक विरोधाभास था. इसलिए इस मामले की गहराई से जांच की गई. पुलिस जांच में पता चला कि आग आगजनी थी. दरअसल योजनाबद्ध तरीके से चोरी हुई थी और उसी के आधार पर जांच भी की गई थी. शुरुआत में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि आग में ३६ लाख से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान हुआ है, लेकिन आग में संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ और जांच में पता चला कि यह चोरी हो गई है. इस घटना में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. जिसमें पूरी प्लानिंग जावेद अली मोहम्मद अली सैयद ने की थी. जबकि उनके साथ दो अन्य लोग शामिल थे. जिसमें गोपालराव वासुदेवराव ब्लू डार्ट में सिटी सिक्योरिटी मैनेजर के पद पर कार्यरत थे. जबकि तीसरा आरोपी बदरू मंगलु भुकन दो दिन पहले ही सुरक्षा गार्ड के तौर पर शामिल हुआ था. पहले वह ड्राइवर के तौर पर काम करता था. इस घटना में पुलिस ने कुल ३५,५१,९२० रुपये की संपत्ति जब्त की. जांच में पता चला कि इन आरोपियों ने अठवा क्षेत्र में भी ४० लाख रुपये से अधिक की चोरी की है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है.

महिला द्वारा नशे के सामान की तस्करी, ३१ किलो गांजे के साथ दो पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत की सारोली पुलिस ने नियोल पुलिस चेक पोस्ट से दो आरोपियों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस ने ३१ किलो से अधिक गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है.

सूरत सिटी पुलिस की ओर से नो ड्रग्स इन सूरत सिटी अभियान चलाया जा रहा है. जिसके तहत मादक पदार्थ बेचने और सेवन करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है. सूरत की सारोली पुलिस ने अधिक मात्रा में गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. नियोल चेक पोस्ट के पास जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से काफी मात्रा में गांजा बरामद किया है. ३१ किलो ४० ग्राम गांजा के साथ एक महिला और एक पुरुष को पकड़ा गया है.

आरोपी उड़ीसा से सूरत में भारी मात्रा में गांजा लेकर आए थे. पुलिस ने बिजयकुमार बाईनोकुमार मलिक और सोमाबारी उर्फ खुशी निर्मला प्रधान नाम की महिला को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से गांजे की भारी मात्रा बरामद कर ली है. इसकी बाजार कीमत तीन लाख दस हजार से अधिक है. आरोपियों ने बताया कि गांजा शंभु उर्फ भारी लोचन खुंटिया ने मंगवाई थी और गांजा की मात्रा बाबू उर्फ चिंटू ने भेजी थी. फिलहाल पुलिस ने गांजे की मात्रा मंगवाने और भेजने वाले को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की है. पुलिस ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी है कि गिरफ्तार पुरुष और महिला पहले भी ऐसे किसी अपराध में शामिल थे या नहीं.

एक्सिस बैंक के एटीएम में तोड़फोड़ करने वाले २ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, उधना पुलिस को बैंक के एटीएम में घुसकर पैसे चुराने की कोशिश कर रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है. उधना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से एक लोहे की छेनी, एक स्क्रू ड्राइवर और एक मोटरसाइकिल सहित सामान जब्त किया गया है.

सूरत के उधना थाना क्षेत्र में दो लोगों द्वारा एटीएम तोड़कर पैसे चुराने का प्रयास किया गया था. इस घटना में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उधना थाना क्षेत्र में उधना बस स्टेशन के पास में एक्सिस बैंक का एटीएम स्थित है. इस बैंक के एटीएम को दो लोगो ने निशाना बनाया था. फिर एटीएम तोड़कर पैसे चुराने की कोशिश की गई और पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. सीसीटीवी कैमरे में साफ देखा गया कि आरोपी एटीएम में घुसे और फिर एक-दूसरे की मदद से एटीएम में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके बाद दोनों युवक एटीएम से पैसे निकाले बिना ही भाग जाते हैं.

इस घटना को लेकर उधना थाने में शिकायत दर्ज कराई गई और आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कीं. उधना पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एटीएम चोरी का प्रयास करने वाले शोहब उर्फ सोएब कादर शेख और हुसैन मोमिन को गिरफ्तार किया और दोनों के पास से की एक लोहे की छेनी, एक पेचकस और ४०,००० रुपये की एक मोटरसाइकिल जब्त की. आरोपियों से पूछताछ में यह भी पता चला कि सोहेब के खिलाफ डिंडोली थाने में पहले से ही मामला दर्ज है और इन दोनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है.